



सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत ग्राम

पेज: 3

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

हेली शाह का नया फेस्टिव सॉन्ग गलगोटो रिली

पेज: 8

वर्ष : 02

अंक : 177

गुरुवार 01 अक्टूबर 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2 रुपए

कटुआ में सीआईएसएफ जवानों के बीच गोलीबारी, चार की मौत

-जवान ने कमांडेंट समेत 4 साथियों को 15-15 गोलियां मारीं

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर के कटुआ जिले के बसोहली क्षेत्र स्थित एनएचपीसी के माशका सेवा-2 जल विद्युत परियोजना में मंगलवार को सीआईएसएफ जवानों के बीच हुई गोलीबारी में चार जवानों की मौत हो गई। मृतकों में असिस्टेंट कमांडेंट अफिक्त कुमार पांडे, सब इंस्पेक्टर लक्ष्मण सिंह, कॉन्स्टेबल रफीक अहमद और संदीप कुमार शामिल हैं। घटना के तुरंत बाद सभी घायल जवानों को इलाज के लिए हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के खेरी स्थित एनएचपीसी के चमेरा पावर स्टेशन-1 के परियोजना अस्पताल में लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गोलीबारी के आरोपी हेड कॉन्स्टेबल अवधेश कुमार को हिरासत में ले लिया गया है। कटुआ की एसएसपी मोहिता शर्मा ने जानकारी दी कि पुलिस मामले से सहाी कर्मियों पर 10 से 15 गोलियां चलाई। सूत्रों से पता चला है कि आरोपी सहायक कमांडेंट और अन्य साथियों से ड्यूटी संबंधी विवादों को लेकर नाराज था। इससे पहले भी उसकी कई बार बहस हो चुकी थी। घटना के बाद परियोजना अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। चूंकि घटना जम्मू-कश्मीर में हुई है, हिमाचल प्रदेश पुलिस ने इस पर आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, सूत्रों के मुताबिक, डलहौजी से डीएसपी समेत पुलिस की एक टीम अस्पताल भेजी गई थी। बताया जा रहा है कि चारों शवों को पोस्टमॉर्टम बसोहली में ही किया जाएगा। घटना की जानकारी मिलते ही सीआईएसएफ के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और आरोपी कॉन्स्टेबल को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है।

सीईसी के घर कालिख पोतने के मामले में छह कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के दिल्ली स्थित आवास पर कालिख पोतने के मामले में छह कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने इन कार्यकर्ताओं के खिलाफ हत्या के प्रयास और दंगा सहित भारतीय न्याय संहिता की कई गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। करीब 20 कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। सूत्रों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों पर घर के गेट और दीवारों पर काले रंग से नारे लिखने का आरोप है। गिरफ्तार किए गए लोगों में कांग्रेस नेता अनिल यादव, मुकेश धांगर, मनोज गौड़, राजेश कुमार, राजा गौतम और पंकज चौधरी शामिल हैं। इन सभी को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। उप निरीक्षक गौरव गुप्ता की शिकायत पर हरिपर्वत थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। कांग्रेस के शहर अध्यक्ष अमित सिंह ने इन गंभीर धाराओं को गलत और अनावश्यक बताया है। उन्होंने कहा कि मामला केवल विरोध प्रदर्शन से संबंधित धाराओं तक सीमित रहना चाहिए था।

प्रिंसिपल की धिनौनी करतूत : 15 साल की छात्रा से यौन उत्पीड़न, एफआईआर दर्ज

चिकबल्लापुर (एजेंसी)। कर्नाटक के चिकबल्लापुर जिले में सरकारी रेजिडेंशियल स्कूल से मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। शिडलघट्ट तालुक के गोरलुम्पम्हल्ली स्थित मोरारजी देसाई मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल के प्रिंसिपल ईश्वर रेड्डी पर 9वीं कक्षा की 15 वर्षीय छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न करने का गंभीर आरोप लगा है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर आगे की जांच शुरू की है। यह सनसनीखेज घटना 26 सितंबर को दोपहर करीब दस बजे स्कूल के मेडिसिन रूम में घटी। शिकायत के मुताबिक, पीड़िता छठी कक्षा की एक बीमार छात्रा को दवा देने गई थी। इसी दौरान प्रिंसिपल ने छात्रा को कमरे के अंदर बुलाया, उसके साथ आपत्तिजनक हरकत की और यौन उत्पीड़न किया। आरोपी प्रिंसिपल ने पीड़िता को धमकी दी थी कि यदि उसने इस बारे में किसी को बताया, तब परिणाम भुगतना होगा। डरी-सहमी छात्रा ने यह बात अपने सहपाठियों को बता दी। इसके बाद इसकी जानकारी शिक्षकों और परिजनों तक पहुंची। 27 सितंबर को माता-पिता स्कूल पहुंचे और पूरी जानकारी मिलने पर वे पुलिस की शरण में पहुंचे। इसके बाद 28 सितंबर को बाल कल्याण अधिकारियों की उपस्थिति में चिकबल्लापुर में पीड़िता का बयान दर्ज किया गया।

आसाराम को गुजरात हाईकोर्ट से झटका, पत्नी से मिलने के लिए 20 दिन की अंतरिम जमानत खारिज

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने 2013 के दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 86 वर्षीय आसाराम की 20 दिन की अंतरिम जमानत याचिका खारिज कर दी। आसाराम ने अस्पताल में भर्ती 83 वर्षीय पत्नी से मिलने के लिए मानवीय आधार पर राहत मांगी थी। सुनवाई के दौरान पुलिस की रिपोर्ट और इलाज कर रहे डॉक्टरों के बयान में बताया गया कि उनकी पत्नी की हालत स्थिर है, उपचार का अच्छा असर हो रहा है और अगले दो-तीन दिनों में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। राज्य सरकार ने इसी आधार पर जमानत का विरोध किया।

हार के बाद ईवीएम पर ठीकरा फोड़ रहा इंडिया गठबंधन: रामचंद्र राव

केरल में कांग्रेस नेता ने एसआईआर की तारीफ की थी

हैदराबाद , एजेंसी। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष रामचंद्र राव ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर आरोप लगाया है कि वे चुनाव हारने पर ईवीएम, चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर लोप देते हैं। हैदराबाद में प्रेस वार्ता के दौरान, राव ने विपक्षी दलों पर देश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाकर कहा कि इंडिया गठबंधन सिर्फ उन राज्यों में एसआईआर का मुद्दा उठा रहा है जहाँ भाजपा की जीत हुई है, जबकि उनके शासित राज्यों में वे इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष राव ने याद दिलाया कि 2018 से ही इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेता, जिसमें अधिपेक मनु सिंघवी, जवाहर सरकार और सचिन पायलट जैसे नाम शामिल हैं, स्वयं भारत सरकार और चुनाव आयोग से एसआईआर कराने तथा फर्जी व मत मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाने की मांग करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब वही



कांग्रेस पार्टी अचानक इस मामले को मुद्दा बना रही है, जबकि वोटों को हटाने का काम बीएलओ की रिपोर्ट के आधार पर ही होता है। राव ने केरल का उदाहरण देकर कहा कि कांग्रेस नेता रमेश चैत्रिथला ने खुद स्वीकार किया था कि वे एसआईआर की वजह से चुनाव जीते, नहीं बहुत सारे फर्जी वोट पड़ते।

उन्होंने सवाल उठाया कि कांग्रेस केरल में एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल क्यों नहीं उठा रही, जहाँ उन्हें जीत मिली है? राव ने लोगों को गुमराह करने और सवैधानिक संस्थाओं पर से उनका भरोसा उठाने की कांग्रेस की कोशिश बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा सवैधानिक संस्थाओं के साथ खड़ी है

और उनके सम्मान व भरोसे को कायम रखने के लिए इस नकारात्मक राजनीति का मुंहतोड़ जवाब देगी।

इस दौरान, राव ने एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के उस दावे को खारिज किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा के शासन में मुस्लिम नेतृत्व नहीं पनप रहा है। राव ने सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास के भाजपा के मंत्र पर कहा कि पार्टी विकास या राजनीति को किसी धार्मिक आधार पर नहीं देखती। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और ओवैसी देश को धार्मिक आधार पर बांटने का काम कर रहे हैं। राव ने ओवैसी को नेतृत्व के बजाय मुसलमानों के विकास की बात करने की सलाह दी, यह भी बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग बनाया था और अल्पसंख्यकों के विकास के लिए भारी रकम आवंटित की जा रही है।

विजय थलपति ने पश्चिम बंगाल में खोला पार्टी का दफ्तर

दूसरे भाजपा राज्यों में भी खुलेंगे टीवीके के ऑफिस

कोलकाता, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की नवगठित पार्टी, तामिलनाडु नेत्री कक्षम (टीवीके) की नज़रें अब अपने गृह राज्य से बाहर दूसरे राज्यों पर भी टिकती दिख रही हैं। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल में टीवीके के नाम से एक दफ्तर खोला गया है, हालांकि पार्टी ने आधिकारिक तौर पर इस कदम से दूरी बना ली है, लेकिन इससे जुड़ी गतिविधियों पर उसने कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की है। माना जा रहा है कि टीवीके अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी कार्यालय खोलने पर विचार कर रही है। पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान जिले के फागूपुर में रविवार को यह दफ्तर खोला गया। इस दौरान चैताली रॉय को पश्चिम बंगाल में पार्टी का संयोजक बनाया गया। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से कई कार्यकर्ता शामिल हुए थे। हालांकि, इन खबरों के बीच टीवीके ने खुद को इस फैसले से दूर बताया है, लेकिन बंगाली शुभचिंतकों को शुभकामनाएं भी दी हैं।

इस बार यूपी में पीडीए की सरकार बनेगी, बीजेपी को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी

-सपा सांसद अवधेश प्रसाद का दावा, देश गंभीर स्थिति का सामना कर रहा

अयोध्या, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने इंडिया ब्लॉक की बैठक और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। सांसद ने दावा किया कि इस बार पीडीए की सरकार बनेगी और बीजेपी को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी। इंडी गठबंधन की बड़ी बैठक पर अवधेश प्रसाद ने कहा कि देश एक गंभीर और चिंताजनक स्थिति का सामना कर रहा है। युवाओं और छात्रों पर लाठीचार्ज, फायरिंग, आंसू गैस के गोले दागे जा रहे हैं। छात्रों ने जाज्ज मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर महीने भर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बावजूद सरकार ने उनकी मांगों को सुनने के बजाय अड़ियल रवैया अपनाया। उन्होंने कहा कि किसानों को भी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली का भारी संकट है और कई इलाकों में रात के समय बिजली नहीं रहती। महंगाई लगातार



बढ़ रही है और हमारी अर्थव्यवस्था अमेरिका पर निर्भर हो गई है। हमारी विदेश नीति कमजोर हुई है, लेकिन इस पर कोई उचित कार्रवाई नहीं हो रही है। भ्रष्टाचार और हत्याएं भी बढ़ रही हैं। इन हालात में यह बैठक बहुत अहम है। अखिलेश यादव के चुनावी मेनिफेस्टो पर अवधेश प्रसाद ने कहा कि महिलाओं को 40,000 रुपए और लैपटॉप दिए जाएंगे। उत्तर प्रदेश में बंद हुए 28,000 स्कूल फिर से खोले जाएंगे और शिक्षा का स्तर सुधारा जाएगा। किसानों को मदद और मुफ्त

बिजली मिलेगी। इन सभी बातों का जिक्र हमारे घोषणा-पत्र में है। हमारे लिए चुनावी घोषणा-पत्र किसी धार्मिक ग्रंथ की तरह है और यह हमारे और हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए बाध्यकारी है। सरकार बनने के बाद घोषणा-पत्र में कही गई हर बात को लागू किया जाएगा। सपा सांसद ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, सीएम योगी की पेशानी बढ़ती जा रही है। इस बार पीडीए की सरकार बनेगी और बीजेपी को 50 सीटें भी नहीं मिलेंगी। मुख्यमंत्री को अपनी राजनीतिक पहचान से जुड़े मुद्दों को तो चिंता है, लेकिन राज्य की जनता की समस्याओं की कोई परवाह नहीं है। उन्हें लोगों के कल्याण, विकास या भलाई की कोई चिंता नहीं है। राज्य में किसानों की आत्महत्या, बढ़ते अपराध और मौतों को लेकर चिंता है, लेकिन इन मुद्दों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों को सजा दिलाएगा इंडिया ब्लॉक: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया ब्लॉक भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों को सजा दिलाता सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि संबंधित लोगों का पद या वरिष्ठता मायने नहीं रखती, क्योंकि भारतीय लोकतंत्र देश के हर नागरिक से बड़ा है। नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद राहुल गांधी ने कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं ने मिलकर संविधान की रक्षा करने की जिम्मेदारी ली है। राहुल गांधी ने कहा कि बैठक में

चुनावों में कथित 'वोट चोरी' का मुद्दा प्रमुख से उठे। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दलों का मानना ​​है कि भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं की व्यक्तिगत प्रतिबद्धता है कि लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि विपक्ष जनता तक यह बात पहुंचाने में काफी हद तक सफल रहा है कि चुनावों में कथित

अनियमितताओं को लेकर गंभीर सवाल हैं। उनके मुताबिक, युवाओं के बीच भी इन मुद्दों को लेकर असंतोष और प्रतिरोध की भावना दिख रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं को लगता है कि देश में जो कुछ रहा है, उसमें बदलाव की जरूरत है। राहुल गांधी ने विपक्षी नेताओं को संविधान का सामूहिक रक्षक बताते हुए कहा कि सभी दलों के साथ मिलकर काम करना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले महीनों में विपक्ष देश में बड़े बदलाव लाएगा।

इंडिया ब्लॉक के प्रमुख नेताओं ने बैठक में चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर उठाए जा रहे सवालों और देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की रणनीति पर चर्चा की। कांग्रेस ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वापस लेने की मांग दोहरा दी। विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग के रवैये पर सवाल उठाकर कथित तौर पर वृद्धिपूर्ण और पक्षपातपूर्ण बताया। बैठक का उद्देश्य इन मुद्दों पर विपक्षी दलों को एकजुट करना और आगे के साझा कार्यक्रमों की रणनीति तय करना था।



सौरभ भारद्वाज और जरनैल सिंह सहित आप कार्यकर्ताओं पर एफआईआर, पुलिसकर्मी से मारपीट का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सौरभ भारद्वाज, विधायक जरनैल सिंह और पार्टी के कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ एक पुलिसकर्मी से कथित मारपीट और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 221, 132 और 115(2) के तहत दर्ज हुआ है। पुलिस के मुताबिक, घटना पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में हुई, जब आप नेता पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ वहां पहुंचे थे। आरोप है कि सादे कपड़ों में मौजूद एक पुलिसकर्मी इलाके में वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था। इसी दौरान कुछ आप समर्थकों ने पुलिसकर्मी को धेरकर उसके साथ कथित तौर पर मारपीट की। घटना के बाद पुलिसकर्मी को चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। मामले को लेकर आम आदमी पार्टी ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कथित झड़प के मामले में एफआईआर दर्ज कर रविवार को हुई थपाड़ मारने की घटना से ध्यान भटकाने की कोशिश की है। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी पार्टी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की आलोचना की और पुलिस पर कार्रवाई में भेदभाव का आरोप लगाया। दरअसल, तिलक नगर में निरीक्षण के दौरान एक 22 वर्षीय युवक को कथित तौर पर थपाड़ मारने के मामले में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ भी पुलिस ने अरांडेय रिपोर्ट (एनसीआर) दर्ज की है।

केजरीवाल बोले- हमने देश की बेहतरी के लिए पार्टी बनाई

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा कि उनका मकसद पार्टी नहीं, बल्कि देश है। उन्होंने अपनी व्यक्तिगत यात्रा, आम आदमी पार्टी के गठन के पीछे के कारणों, दिल्ली सरकार में भ्रष्टाचार विरोधी कदमों और हाल ही में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों पर खुलकर बात की। केजरीवाल ने बताया कि उन्होंने इनकम टैक्स में संयुक्त आयुक्त का पद छोड़कर 10 साल तक झुगियाँ में काम किया, जो लोगों को कम ही पता है। उनके मुताबिक, अन्ना आदोलन के बाद जब लोकपाल बिल नहीं बना, तो देश की बेहतरी के लिए उन्हें पार्टी बनानी पड़ी। उनका कहना था कि यदि उस समय सरकार लोकपाल कानून बना देती, तो शायद उन्हें पार्टी बनाने की जरूरत ही न पड़ती। दिल्ली सरकार के कामकाज पर बात करते हुए उन्होंने भ्रष्टाचार खत्म करने के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पहले



सरकारी ठेकों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होता था, क्योंकि रेट सरकारी अधिकारी तय करते थे। उनकी सरकार ने ऑनलाइन ऑक्शन की व्यवस्था शुरू की, जिससे राजस्व दोगुना या त्रिगुना हो गया और पारदर्शिता आई। उन्होंने कहा कि जो ज्यादा बोली लगाएगा, वही ठेके ले जाएगा, यह एक सीधी और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था है। जेल से सरकार चलाने के मुद्दे पर केजरीवाल ने कहा कि विपक्षी ताकतें जानबूझकर मुख्यमंत्रियों पर फर्जी मुकदमे

कर उन्हें गिरफ्तार करवाती हैं, ताकि उनकी सरकारें गिराई जा सकें। उन्होंने दावा किया कि वे इस रणनीति का मुकाबला करना चाहते थे कि गिरफ्तारी के बावजूद इस्तीफा नहीं देंगे और सरकार जेल से ही चलाएंगे। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की टिप्पणी का भी हवाला दिया कि सरकार जेल से क्यों नहीं चल सकती। उन्होंने इस संदर्भ में कुछ अन्य मुख्यमंत्रियों की सरकारों का भी उल्लेख किया जिन पर इसी तरह के आरोप लगाकर कार्रवाई की

गई थी। केजरीवाल ने मतदाता सूची में कथित हेरफेर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर एसडीएम की वोट जोड़ने या हटाने की शक्ति को एक सॉफ्टवेयर के माध्यम से कुछ इलाकों में हटा दिया गया है। उन्होंने गोवा का उदाहरण दिया, जहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी को बार-बार पत्र लिखकर लोगों के नाम जोड़ने की गुहार लगानी पड़ रही थी, जबकि यह शक्ति स्थानीय एसडीएम के पास होनी चाहिए थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दिल्ली में बिटे लोग मनमाने ढंग से वोट हटाते या जोड़ते रहे, तो सरकारें बदल नहीं पाएंगी और लोकतंत्र का सत्यानाश हो जाएगा। केजरीवाल ने कहा कि लोकतंत्र का मूल सिद्धांत है कि जनता सरकार से असंतुष्ट होने पर उसे बदल सकती है। उन्होंने बताया कि पंजाब में आम आदमी पार्टी ने इस पूरी प्रक्रिया पर नज़र रखने के लिए एक बड़ी टीम बनाई है।

गौरव गोगोई का बीजेपी-एआईडीयूएफ पर हमला, मुश्किल में पड़ते ही अजमल को बुलाते हैं हिंमत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में चुनावी सरगमियों के बीच भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी), ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईडीयूएफ) और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप तेज हुआ है। कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और एआईडीयूएफ प्रमुख बरदरहीन अजमल पर निशाना साधकर दोनों दलों के बीच 'गुप्त तालमेल' का आरोप लगाया। कोलमौबाड़ी में कांग्रेस उम्मीदवार शिवमणि बोरा के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में गोगोई ने कहा कि जब भी मुख्यमंत्री शर्मा

मुश्किल में पड़ते हैं, वह 108 एंबुलेंस सेवा की तरह अजमल को बुलाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी और एआईडीयूएफ गरीब लोगों का राजनीतिक इस्तेमाल करने के लिए साथ काम कर रहे हैं, जबकि उनके नेता मुंबई और दुबई में अपनी संपत्ति बढ़ा रहे हैं।

गोगोई ने धुबरी लोकसभा चुनाव का जिक्र कर कहा कि 2024 में वहां की जनता ने अजमल को करीब 10 लाख मतों से हराया था। उन्होंने 2016 में दक्षिण सलमाग सीट से कांग्रेस नेता वाजेद अली चौधरी द्वारा अजमल को हराए जाने का भी उल्लेख किया। कांग्रेस नेता गोगोई ने आरोप

लगाया कि अब सीएम शर्मा एआईडीयूएफ को राजनीतिक रूप से मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार देवशीष शर्मा पर आरोप लगाकर कहा कि जिला आयुक्त के रूप में उनके कार्यकाल में निर्दोष लोगों को कथित तौर पर बांग्लादेश भेजा गया तथा बेदखली अभियानों के जरिए लोगों को परेशान किया गया। गोगोई ने मुख्यमंत्री पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री तरेण गोगोई के कार्यकाल का भी उल्लेख किया और मतदाताओं से कांग्रेस उम्मीदवार शिवमणि बोरा के समर्थन की अपील की।



भाजपा का कांग्रेस पर हिंदू समाज को बांटने का गंभीर आरोप

नई दिल्ली , एजेंसी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री खेत रेड्डी के उस बयान पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है, जिसमें उन्होंने राम को अमरीा का और शिव को गरीबों का भगवान बताया था। भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधाशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी पूरी ताकत से हिंदू समाज को विभाजित करने के हर षड्यंत्र में शामिल रहती है। बीजेपी सांसद त्रिवेदी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नास्तिक बतकर कहा कि उन्होंने 2014 के चुनाव में ईश्वर के नाम की शपथ ली, लेकिन 2024 में अग्नेजी में शपथ ली। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री खेत रेड्डी जुबली हिल्स के उपचुनाव में



पहले ही कांग्रेस मतलब मुसलमान और मुसलमान मतलब कांग्रेस का उद्घोष कर चुके हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर हिंदू समाज को दक्षिण और उत्तर में विभाजित करने का भी प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक के वित्त मंत्री डीके शूरेश के दक्षिण ज्यादा टैक्स दे रहा है और पी. चिदंबरम के उत्तर भारत नहीं होता, तब दक्षिण बहुत प्रगति करता जैसे बयानों का हवाला

दिया। त्रिवेदी ने खेत रेड्डी के हम द्रविड़जन हैं और वे आर्यन हैं वाले बयान को पूर्णतयापूर्ण और निराधार सिद्धांत करार दिया। बीजेपी नेता त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस प्रॉती, भाषा और फिर जाति के आधार पर भी विभाजन करना चाहती है। उन्होंने राहुल गांधी के स्पेश पेटीआर्की (पितृसत्ता को तोड़ो) बयान का जिक्र कर कहा कि यह सिर्फ हिंदू समाज के लिए है, क्योंकि जब केरल का ग्रैंड मुफ्ती कहता है कि महिलाओं को तिजोरी में नेकलसे की तरह रखना चाहिए, तब कांग्रेस नेता चुप रहते हैं। भाजपा ने कांग्रेस पर भगवानों की भी विभाजित करने का आरोप लगाकर उसकी विभाजनकारी राजनीति की कड़ी निंदा की।

संपादकीय

महिला सुरक्षा का संकट

यह हमारे लोकतंत्र की विडंबना है कि कार्यपालिका की लचर कार्यशैली के चलते गाहे-बगाहे न्यायालय को उन मामलों में हस्तक्षेप करना पड़ता है, जिनका दायित्व निभाना सरकारों का काम है। वैसे कहने को तो पूरे देश में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के लिये तमाम कायदे-कानून बनाए गए हैं। लेकिन जब इन कानूनों व योजनाओं को हकीकत में अमलीजामा पहनाने की बात सामने आती है तो जवाबदेही का अंतर साफ नजर आता है। हाल के दिनों में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म के मामलों पर स्वतः संज्ञान लेकर शीर्ष अदालत ने इस कड़वी हकीकत को उजागर कर दिया। इन मामलों में शीर्ष अदालत ने सिर्फ यही नहीं पूछा कि ये संगीन अपराध क्यों हुए, बल्कि यह भी जानना चाहा कि इन अपराधों को रोकने के लिये बनाया गया सिस्टम क्या हकीकत में कुछ काम करता है? कोर्ट का सवाल था कि क्या वास्तव में आपातकाल में मदद करने वाली हेल्पलाइन तुरंत जवाब देती है? क्या सीसीटीवी कैमरे पूरी मुसैदी के साथ काम कर रहे हैं? क्या महिलाओं के लिये अमुरक्षित समझी जाने वाली जगहों को पहचान करके वहां पेट्रोलिंग की जाती है? क्या महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिये बने डेटोबसे, महिलाओं के लिये हेल्प डेस्क और जांच करने में मददगार ट्रैकिंग सिस्टम का कारगर तरीके से प्रयोग हो रहा है? शीर्ष अदालत का यह सवाल तार्किक है कि जब ये सिस्टम फेल हो जाता है तो विफलता के लिये किसी की जवाबदेही तय की जाती है? निस्संदेह, अदालत ने तंत्र की दुखती रग पर हाथ रखा है। सही मायने में ये सवाल हर किसी को परेशान करने वाले हैं। यह हकीकत है कि देश में नये-नये सुरक्षा कार्यक्रमों की घोषणा करने, पोर्टल, हेल्पलाइन और कमेटियां बनाने में तो कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जाती है, लेकिन सवाल यह है कि क्या किसी समस्या के निस्तारण के लिये कोई सिस्टम या मैकेनिज्म बना देना ही कर्तव्यों की इतिश्री मान लिया जाए? उल्लेखनीम है कि अक्सर आम लोगों द्वारा शिकायत की जाती रही है कि सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील सड़कों पर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था नहीं होती, सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह से काम नहीं कर रहे होते हैं। वहीं दूसरी ओर इस बाबत की गई शिकायतें अक्सर फाइलों में उलझकर रह जाती हैं। कहने को ऐसे अपराधों को रोकने वाला सिस्टम फाइलों में तो दर्ज होता है, लेकिन जब वास्तव में किसी व्यक्ति को इसकी जरूरत होती है, तो यह हमेशा की तरह नदारद मिलता है। ऐसे में देश की शीर्ष अदालत द्वारा सुरक्षा उपायों के ऑडिट, व्यवस्था की कमजोरियों की पहचान, किसी घटना के होने पर प्रतिक्रिया देने के समय और कार्यक्षमता के मूल्यांकन पर जोर देना, एक स्वागत योग्य कदम ही कहा जायेगा। सही मायने में ऐसे मामलों में सिर्फ पुलिस को ही जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

चितन-मनन

कृष्ण हैं परम पुरुष

जीव तथा भगवान की स्वाभाविक स्थिति के विषय में अनेक दार्शनिक ऊहापोह में रहते हैं। जो भगवान कृष्ण को परम पुरुष के रूप में जानता है, वह सारी वस्तुओं का ज्ञाता है। अपूर्ण ज्ञाता परम सत्य के विषय में केवल चिन्तन करता जाता है, जबकि पूर्ण ज्ञाता समय का अपव्यय किये बिना सीधे कृष्णभावनामृत में लग जाता है, अर्थात भगवान की भक्ति करने लगता है। सम्पूर्ण भगवद्गीता में पग-पग पर इस तथ्य पर बल दिया गया है। फिर भी भगवद्गीता के ऐसे अनेक कट्टर भाष्यकार हैं, जो परमरे तथा जीव को एक ही मानते हैं। वैदिक ज्ञान श्रुति कहलाता है, जिसका अर्थ है श्रवण करके सीखना। वास्तव में वैदिक सूचना कृष्ण तथा उनके प्रतिनिधियों जैसे अधिकारियों से ग्रहण करनी चाहिए। यहां कृष्ण ने हर वस्तु का अंतर सुन्दर ढंग से बताया है, अतएव इसी स्रोत से सुनना चाहिए। लेकिन केवल सुनना पर्याप्त नहीं है। मनुष्य को चाहिए कि अधिकारियों से समझे। ऐसा नहीं कि केवल शुष्क चिन्तन ही करता रहे। मनुष्य को विनीत भाव से भगवद्गीता से सुनना चाहिए कि सारे जीव सदैव भगवान के अधीन हैं। जो भी इसे समझ लेता है, वही श्रीकृष्ण के कथनानुसार वेदों के प्रयोजन को समझता है, अन्य कोई नहीं समझता।

भजति शब्द अत्यन्त सार्थक है। कई स्थानों पर भजति का संबंध भगवान की सेवा के अर्थ में व्यक्त हुआ है यदि कोई व्यक्ति पूर्ण कृष्णभावनामृत में रत है, अर्थात भगवान की भक्ति करता है, तो यह समझना चाहिए कि उसने सारा वैदिक ज्ञान समझ लिया है। वैष्णव परंपरा में कहा जाता है कि यदि कोई कृष्ण-भक्ति में लगा रहता है, तो उसे भगवान को जानने के लिए किसी अन्य आध्यात्मिक विधि की आवश्यकता नहीं रहती। वह ज्ञान की समस्त प्रारंभिक विधियों को पार कर चुका होता है। लेकिन यदि कोई लाखों जन्मों तक चिन्तन करने पर भी इस लक्ष्य पर नहीं पहुंच पाता कि श्रीकृष्ण ही भगवान हैं और उनकी ही शरण ग्रहण करनी चाहिए, तो उसका अनेक जन्मों का चिन्तन व्यर्थ जाता है।

आवश्यकता है

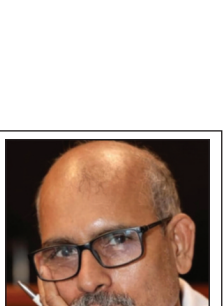
आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552



प्रहलाद सबनामी

वैश्विक स्तर पर, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, परिस्थितियां तेजी से रसातल में जाती हुई दिखाई दे रही हैं। विभिन्न देशों (रूस-यूक्रेन, इजराईल-हम्मस, ईरान-अमेरिका एवं सऊदी अरब-हूथी) के बीच चल रहे युद्ध ने उन देशों के आर्थिक क्षेत्र को भी विपरीत रूप से प्रभावित करना प्रारम्भ कर दिया है, जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से इस युद्ध में किसी भी प्रकार से नहीं जुड़े हैं। इस श्रेणी के देशों में भारत का नाम सबसे ऊपर उभर कर सामने आ रहा है। दरअसल, भारत अपनी कुल खपत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल अन्य देशों से आयात करता है। उक्त युद्ध प्रारम्भ होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं एवं यह 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से ऊपर निकल गई हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए यह स्थिति किसी भी कीमत पर उचित नहीं है, क्योंकि भारत को महंगी दरों पर कच्चे तेल का आयात करना पड़ रहा है और इससे महंगे कच्चे तेल के साथ साथ भारत में मुद्रा स्फीति भी आयातित हो रही है। साथ ही, भारत को महंगे कच्चे तेल के आयात का अमेरिकी डॉलर में भुगतान करना होता है, जिससे भारतीय रूपए की कीमत पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव बढ़ता जा रहा है एवं भारतीय रूपए का लगातार



विनोद सिंह ‘तकियावाला’

वीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III से 135 गीगावाॉट नवीकरणीय ऊर्जा के संचरण को मिलेगी गति, 50 जी डब्लु एच बैटरी भंडारण से मजबूत होगा देश का बिजली ग्रिड... भारत की ऊर्जा यात्रा अब केवल बिजली उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि देश ऐसी ऊर्जा व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है जिसमें स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन, उसका भंडारण और देश के विभिन्न हिस्सों तक निर्बाध संचरण एक साथ मजबूत हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III योजना को मंजूरी इसी व्यापक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह योजना राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के भीतर इंद्रा-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम को मजबूत करने के साथ 135 गीगावाॉट तक नवीकरणीय ऊर्जा को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने की क्षमता विकसित करेगी।भारत में सौर और पवन ऊर्जा की संभावनाएँ लगातार बढ़ रही हैं।देश के अनेक राज्यों में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ स्थापित हो रही हैं, लेकिन इस ऊर्जा का वास्तविक लाभ तभी संभव है जब इसे मजबूत ट्रांसमिशन नेटवर्क के माध्यम से उन क्षेत्रों तक पहुंचाया जा सके जहाँ इसकी आवश्यकता है। ग्रीन एनर्जी

बिडंबना ही कहेंगे कि जिस मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारी कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्यौहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है। लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएसएस अधिकारी तुकाराम मुंडे की कार्रवाई है। मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शासत आ गई है। उन्होंने खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरूआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छापे मार्कर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिटेजेंट और रसायनों से बने नकली दुध और ताड़ के तेल से बनने वाले 'फनालॉग पनीर' का रैकेट ध्वस्त हो गया है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेस, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं।

महाराष्ट्र की घटनाएँ इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। इससे शासद ही किसी को इनकार हो कि शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार है कि वे मिलावटखोरी रोकें। त्यौहारी सीजन में ये संस्थाएं कार्रवाइयां करती भी हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार

विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध का भारत पर प्रभाव

अवमूल्यन होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारतीय रूपए के अवमूल्यन से भारत द्वारा आयात किए जाने वाले समस्त उत्पाद महंगे हो जाते हैं। उक्त वर्णित युद्ध प्रारम्भ होने के पूर्व, भारतीय अर्थव्यवस्था (सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर) वैश्विक स्तर पर अमेरिका, चीन, जर्मनी के पश्चात चौथे स्थान पर पहुंच गई थी। परंतु, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रूपए की कीमत में आए परिवर्तन के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर छठे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि सकल घरेलू उत्पाद उसी स्तर पर बना रहा है। इसका मुख्य कारण, अंतरराष्ट्रीय बाजार में अमेरिकी डॉलर का भारतीय रूपए की तुलना में लगातार मजबूत होते जाना है।

जैसे जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध और अधिक आक्रामक होता जा रहा है, वैसे वैसे अब यह सम्भावना बलवती होती जा रही है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं एवं अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में भी भारी वृद्धि देखने में आ सकती है, क्योंकि यूक्रेन गेहूं का बड़ा उत्पादक देश है। यूक्रेन ने रूस के कच्चे तेल को संसाधित कर पेट्रोल एवं डीजल बनाने वाली उत्पादन इकाईयों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। इससे रूस ने गैस एवं ईंधन की आपूर्ति को यूरोपीयन देशों को स्थगित कर दिया है। सदी के मौसम में यूरोपीयन देशों को गैस एवं ईंधन की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। परंतु, इस वर्ष यूरोपीयन देशों को सदी के मौसम में गैस एवं ईंधन की आपूर्ति प्रभावित होने वाली है इससे इन देशों के नागरिकों को सबसे अधिक कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध प्रारम्भ करके विश्व के कई देशों को भारी परेशानी में डाल दिया है। न केवल कच्चा तेल बल्कि फर्टिलाइजर, खाद्य पदार्थ, गैस, आदि की आपूर्ति प्रभावित हुई है। साथ ही, वित्तीय क्षेत्र में भी कई देशों को भारी कठिनाईयों के बीच में धकेल दिया है। यदि यह युद्ध कुछ समय और चलता है, जिसके कि

हरित ऊर्जा की नई राह पर भारत

कॉरिडोर चरण-III। इसी चुनौती का समाधान प्रस्तुत करता है। राज्यों के भीतर ट्रांसमिशन व्यवस्था को सुदृढ़ करने से नवीकरणीय ऊर्जा के ग्रिड एकीकरण और पावर इवेन्यूएशन को गति मिलेगी तथा स्वच्छ ऊर्जा को बिजली की मुख्यधारा में अधिक प्रभावी ढंग से शामिल किया जा सकेगा।

इस योजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में 50 गीगावाॉट-घंटे की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम क्षमता का प्रावधान है। नवीकरणीय ऊर्जा की सबसे बड़ी चुनौती उसकी प्रकृति से जुड़ी है। सूर्य की रोशनी हर समय उपलब्ध नहीं होती और हवा की गति भी समान नहीं रहती। ऐसे में सौर और पवन ऊर्जा के उत्पादन में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। बैटरी आधारित ऊर्जा भंडारण इस चुनौती का महत्वपूर्ण समाधान बन सकता है।जब नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन अधिक होगा, तब अतिरिक्त बिजली को संग्रहित किया जा सकेगा और आवश्यकता के समय उसका उपयोग किया जा सकेगा। इससे ग्रिड में लचीलापन आएगा और बिजली की आपूर्ति को अधिक स्थिर बनाने में मदद मिलेगी। बीईएसएस की 50 जी डब्लु एच क्षमता केवल ऊर्जा भंडारण का आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह भारत की बदलती ऊर्जा व्यवस्था में एक नए युग की शुरूआत का संकेत भी है। पीक आवर में बिजली की बढ़ती मांग, ग्रिड में संभावित कंजेशन और नवीकरणीय ऊर्जा की अनियमित उपलब्धता जैसी चुनौतियों से निपटने में यह व्यवस्था उपयोगी होगी। विशेष रूप से उस समय जब सूर्य ऊर्जा उपलब्ध नहीं होती, संग्रहीत ऊर्जा मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III को वित्तीय वर्ष 2032-33 तक स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसकी कुल परियोजना लागत 1,86,405 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। इसमें 1,36,378 करोड़ रुपये इंस्टॉलमेंट ट्रांसमिशन सिस्टम के विकास के लिए और लगभग

आसार दिखाई दे रहे हैं, तो कई देशों के दिवालिया होने की सम्भावना बनती नजर आ रही है। अमेरिका में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से यू एस फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 आधार बिंदुओं की बढ़ौतरी की है। अक्टोबर 2026 एवं दिसम्बर 2026 माह में भी पुनः 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें उच्च स्तर पर बनी रहने की प्रबल सम्भावना है एवं इसके चलते अमेरिका में भी मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण मुश्किल है। ब्याज दरों में वृद्धि के चलते अमेरिका में यू एस बांड यील्ड में भी लगातार वृद्धि हो रही है एवं यह अपने लगभग उच्चतम स्तर 5.25 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बांड यील्ड के उच्च स्तर पर पहुंचने के चलते अमेरिकी निवेशक तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं से अपना निवेश निकाल कर अमेरिकी बांड में निवेश कर रहे हैं क्योंकि अपेक्षाकृत यह सुरक्षित निवेश है एवं ब्याज दर भी अधिक मिल रही है। भारत जैसी तेजी से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं के लिए यह स्थिति ठीक नहीं है। भारत सहित अन्य विकासशील देशों से निकल रहे विदेशी निवेश से इन देशों की अपनी मुद्रा का अवमूल्यन हो रहा है, जिससे इन देशों में विभिन्न पदार्थों के आयात महंगे हो रहे हैं एवं इन देशों में मुद्रा स्फीति फैलने का खतरा उत्पन्न हो गया है। भारत सहित इन विकासशील देशों को भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि करनी होगी। कुल मिलाकर अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध प्रारम्भ कर विश्व के कई देशों के लिए विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में समस्याएं खड़ी कर दी हैं।

भारत अभी तक तो अपनी आर्थिक सेहत को समहाले हुए है, क्योंकि भारत के पास 75,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार मौजूद है एवं भारत में आर्थिक गतिविधियों में रफ्तार के चलते वित्त्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों में वसुली प्रभावी बनी हुई है। परंतु,

50,000 करोड़ रुपये 50 GWh बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए निर्धारित हैं। योजना के अंतर्गत कुल 54,082 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता का प्रावधान है। यह सहायता इंद्रा-स्टेट ट्रांसमिशन शुल्क को कम करने में मदद करेगी, जिसका सीधा संबंध बिजली की लागत से है। इसका अंतिम लाभ बिजली उपभोक्ताओं तक पहुंचने की संभावना है।इस योजना की कार्यान्वयन व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है। इंद्रा-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम के अंतर्गत आने वाली ग्रीनफील्ड परियोजनाओं को टैरिफ आधारित प्रतियर्स्धी बोली के माध्यम से लागू किया जाएगा। वहीं ब्राउनफील्ड अपग्रेडेशन और नेटवर्क को मजबूत करने से जुड़े कार्य कॉस्ट प्लस बेसिस पर किए जाएंगे।राज्य ट्रांसमिशन यूटिलिटीज समग्र कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में भूमिका निभाएँगी,जबकि ट्रांसमिशन सर्विस प्रोवाइडर्स बिल्ड-ओन- ऑपरेट-मेनेन्ट मॉडल के तहत प्रतियर्स्धी बोली प्रक्रिया में भाग लेंगे। इससे परियोजनाओं के निर्माण के साथ उनके दीर्घकालिक संचालन और रखरखाव की व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III। का महत्व केवल बिजली क्षेत्र तक सीमित नहीं है। इसके प्रभाव ऊर्जा, विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र तक पहुंचेंगे। बड़े पैमाने पर ट्रांसमिशन नेटवर्क के निर्माण से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के निर्माण और उपयोग से घरेलू ऊर्जा भंडारण उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा।इसके साथ ही संचालन, रखरखाव और आधुनिक ग्रिड प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में दीर्घकालिक कुशल रोजगार की संभावनाएँ बढ़ेंगी।यह योजना भारत के दीर्घकालिक ऊर्जा लक्ष्यों से भी जुड़ी हुई है। 2035 तक 900 गीगावाॉट स्थापित गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। उसके साथ मजबूत ट्रांसमिशन नेटवर्क और पर्याप्त ऊर्जा भंडारण क्षमता भी

युद्ध यदि और अधिक लंबे समय तक चलता है तो भारत में भी आर्थिक क्षेत्र में कुछ परेशनियां आ सकती हैं। बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक अपनी अक्टोबर 2026 माह में होने वाली बैठक में रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करने को मजबूर हो। ब्याज दरों में वृद्धि का सीधा प्रभाव भारत के आर्थिक विकास की गति पर पड़े बिना नहीं रह सकेगा। भारत द्वारा आयात की जाने वाली विभिन्न वस्तुओं की कीमतें यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ रही हैं तो भारत को इन वस्तुओं को उच्च कीमतों पर खरीदने को मजबूर होना पड़ेगा। भारतीय शेयर बाजार भी विपरीत रूप से प्रभावित हो सकता है क्योंकि विदेशी संस्थगत निवेशक भी भारतीय पूंजी बाजार से अपने निवेश को निकाल कर अमेरिकी बांड में अपना निवेश बढ़ा रहे है। इससे भारतीय रूपए पर अतिरिक्त दबाव उत्पन्न होगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूपए की कीमत अब अधिक कम हो सकती है। विभिन्न देशों के बीच चल रहे युद्ध के बीच, भारतीय नागरिकों को भी अपने कर्तव्य का निर्वहन करने हेतु आगे आना होगा। इस संदर्भ में केंद्र एवं समस्त राज्य सरकारों तो अपना कार्य पूरी ईमानदारी से सम्यन करने का प्रयास कर ही रही हैं, परंतु नागरिकों को भी स्वदेशी अपनाकर एवं विभिन्न उत्पादों का संयम के साथ उपयोग कर अन्य देशों से उत्पादों के आयात को कम करने के प्रयास करने होंगे। भारत में उत्पादित वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा देना होगा एवं आयातित वस्तुओं के उपयोग को कम करना होगा ताकि विदेशी मुद्रा को बचाया जा सके। भारतीय नागरिकों द्वारा यदि भारत में उत्पादित वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है तो भारतीय विनिर्माण इकाईयों को विस्तार में जाना होगा एवं इससे भारत में ही रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे। कुल मिलाकर अब अन्य देशों से आयातित वस्तुओं के उपयोग को समाप्त करना होगा, यदि समाप्त नहीं कर सकते हैं तो कम तो करना ही होगा।

आवश्यक होगी। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-क्म्रक इन दोनों आवश्यकताओं को एक साथ संतोषित करता है। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है।भारत आज एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है जहाँ ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय सुरक्षा को अलग- अलग नहीं देखा जा सकता। बढ़ती अर्थव्यवस्था, तेजी से बढ़ता औद्योगिक उत्पादन, शहरीकरण और डिजिटल अर्थव्यवस्था बिजली की मांग को लगातार बढ़ा रहे हैं। ऐसे में देश को ऐसी ऊर्जा व्यवस्था चाहिए जो पर्याप्त होने के साथ स्वच्छ, विश्वसनीय और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप हो। नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के साथ मजबूत ट्रांसमिशन और ऊर्जा भंडारण इसी दिशा में आधारभूत आवश्यकता बन चुके हैं। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-III। इसी बदलती आवश्यकता के अनुरूप भारत के ऊर्जा ढांचे को नई दिशा देता दिखाई देता है। 135 गीगावाॉट नवीकरणीय ऊर्जा के संचरण की क्षमता, 50 जी डब्लु एच ऊर्जा भंडारण और 1,86,405 करोड़ रुपये का कुल निवेश देश की ऊर्जा संरचना के व्यापक विस्तार का संकेत है। इसका उद्देश्य केवल आज की बिजली जरूरतों को पूरा करना नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए ऐसी व्यवस्था तैयार करना है जिसमें स्वच्छ ऊर्जा देश की आर्थिक प्रगति का मजबूत आधार बने।ऊर्जा अत्मनिर्भरता, हरित विकास और दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में भारत की यात्रा अब उत्पादन से आगे बढ़कर संचरण और भंडारण के चरण में पहुंच रही है। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर चरण-क्म्रक इसी परिवर्तन की महत्वपूर्ण कड़ी है। आने वाले समय में जब देश की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा मांग दोनों तेजी से विस्तार करेंगे, तब मजबूत ग्रिड, पर्याप्त भंडारण और व्यापक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता भारत के विकास की नई ऊर्जा रीढ़ बन सकती है। यही वह आधार है, जिस पर स्वच्छ ऊर्जा से समर्थ, आत्मनिर्भर और पर्यावरण-संतुलित भारत की तस्वीर आकार ले रही है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था



से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक ना लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृति, दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है। विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध 'नवयुवकों से दो बातें' में कहा है- कि देश में सुराख ही सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्ररूपी घड़े में बने इन सुराखों को सदाचार से भरने की अपील की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से से सदाचार और कर्तव्यपरायणता गायब है। वह राष्ट्र निर्माण के भाव से दूर है। इस वजह से वक्त पर कार्रवाई नहीं होती। कई बार तंत्र को जानकारा होती है कि फलों कारोबारी आटे में पथर का सफेद बुरादा मिला रहा है, चावलों में प्लास्टिक के दांने पेंटेड रहा है, दवाओं के सैशल में गड़बड़ी कर रहा है, नकली मावे की मिठाई बेच रहा है, जाली शराब बिक रही है। वक्त पर इन गड़बड़ियों की जानकारी होने के बावजूद मुनाफाखोर से मिलने वाली चंद रकम के एवज में वह चुप रह जाता है। भले ही नकली दुध पीने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निर्दोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी मुनाफाखोर कारोबारी और उत्पादक के

साथ तंत्र में भी पैठी हुई है। सत्ता संधालते वक्त प्रधानमंत्री मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरू में इससे ग्रस्त लोगों में भय दिला, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखाता है, इसलिए मुनाफाखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को ज़ीरो टालरेंस की नीति अख्तियार करना जरूरी लगता है। तीसरे मुनाफाखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पुंन कसे जा सकते हैं। पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला 'फूड सेफ्टी लॉ' दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दुध में मेलामाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली मिलावटखोरों को इस कानून के तहत आजीवन कारावास के साथ ही भारी आर्थिक जुमानों का भी प्रावधान है। चीन में खाद्य नियमों का उल्लंघन करने, घटिया या मानकहित उत्पाद बेचने और सबूत नष्ट करने वाली

कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुमानों लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खाद्य सुरक्षा और मिलावटखोरी पर रोक के लिए कड़े कानून हैं। फूड स्टैंडर्ड्स ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड की जवाबदेही है कि वह दोनों देशों के खाद्य मानक तैयार करें। खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी रोकने के लिए राज्यों के साथ ही स्थानीय निकायों की भी जवाबदेही है। दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने, असुरक्षित या मिलावटी भाजन बेचने वाली कंपनियों और निर्गमों पर भारी जुमानें का प्रावधान है। यहां जानबूझकर सार्वजनिक नुकसान या डर फैलाने के इरादे से खाद्य पदार्थों में मिलावट को गंभीर अपराध माना जाता है। ऐसे मामलों में 25 साल तक की जेल हो सकती है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून है, जिसे लागू करने की जवाबदेही फूड एंड ड्रग्स इंफर्मिनेट्रेशन यानी एफडीए की है। अमेरिका में मिलावटखोरी पर लगाम के लिए संघीय फूड, ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट है, जो यहां का मुख्य और सबसे बड़ा कानून है। इस कानून के तहत ऐसे खाद्य पदार्थों, दवा या सौंदर्य प्रसाधन को 'मिलावटी' माना जाता है, जो तय मानकों को पूरा नहीं करते या जिसमें हानिकारक पदार्थ मिलाया गया हो। इस कानून के तहत गलत और भ्रामक लेबलिंग भी रोक का प्रावधान है। अमेरिका में एक और फूड सेफ्टी मॉडर्नइजेनन एक्ट है, जिसका मकसद मिलावट और संक्रमण को निरोधात्मक कार्रवाई करना है। इन कानूनों के तहत अमेरिका में मिलावटी या दूषित खाद्य पदार्थ और दवाएं बेचना गंभीर अपराध है। इनका उल्लंघन करने वाली कंपनियों और व्यक्तियों पर भारी जुमानें, जेल की सजा और उत्पादों को तुरंत नष्ट करने या जब्त करने की व्यवस्था है। अमेरिका को तरह ब्रिटेन में भी खाद्य पदार्थों में मिलावट और धोखाधड़ी रोकने के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था है। यहां का फूड सेफ्टी एक्ट के तहत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन बेचना या तैयार करना गंभीर अपराध है। खाद्य माफकों और मिलावट पर नजर रखने के लिए यहां फूड स्टैंडर्ड एजेंसी है। कुछ इसी अंदाज में हमारे यहां भी कठोर कानून और नियमन की जरूरत है। तभी मिलावटखोरी को रोक़ा जा सकता है और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जा सकता है।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):– मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकांत सागर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में माह अक्टूबर 2026 में प्रस्तावित विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान तथा संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अंतर विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक तथा विशेष दस्तक अभियान 12 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि अभियान के दौरान आपसी



समन्वय के साथ कार्य करते हुए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई, जलभराव की रोकथाम, पेयजल की शुद्धता, मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने तथा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जागरूक करने का कार्य प्रभावी ढंग

से किया जाए। उन्होंने कहा कि आशा एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर जाकर बुखार के रोगियों की पहचान, दिमागी बुखार के लक्षणों के संबंध में जानकारी तथा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लोगों को जागरूक किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, ग्राम पंचायतों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएं। संबंधित विभाग अपने-अपने दायित्वों का समयबद्ध ढंग से निर्वहन करते हुए अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा करें। साथ ही, किसी भी क्षेत्र में रोगों की स्थिति सामने आने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत ग्राम पंचायतों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):– प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सेवा काल में जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत 2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान-2026 चलाया जा रहा है। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहा है। जनपद अमरोहा की ग्राम पंचायतों में पंचायती राज विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के शुभारंभ पर 17 सितंबर को ग्राम पंचायतों में ह्आशीर्वाद का दीवाह कार्यक्रम आयोजित हुआ। योजनाओं



से लाभान्वित परिवारों के घरों, सार्वजनिक स्थलों, मंदिरों, विद्यालयों व घाटों पर दीप प्रज्वलन किया गया। इससे पहले सार्वजनिक स्थलों की विशेष सफाई, प्रकाश व्यवस्था व सौंदर्यीकरण कराया गया। ग्राम

प्रशासक, पंचायत सचिव, स्वयं सहायता समूह, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, युवक-महिला मंगल दल व ग्रामीणों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। अभियान में विशेष स्वच्छता अभियान व श्रमदान आयोजित किए

गए। पंचायत भवन, विद्यालय, मार्ग, नालियों व सामुदायिक परिस्पातियों की सफाई कर स्वच्छ वातावरण तैयार किया गया। ह्सेवा मेरा योगदानह् के तहत वृक्षारोपण, योजनाओं की जानकारी व पात्र वंचित परिवारों का चिन्हांकन कर लाभ दिलाने का मार्गदर्शन दिया जा रहा है। ग्राम चौपाल व सीधा संवाद कार्यक्रमों में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जा रही हैं तथा पेयजल, स्वच्छता, सड़क आदि सुविधाओं संबंधी आवश्यकताओं को विन्हित कर समयबद्ध समाधान किया जा रहा है। जनसहभागिता बढ़ाकर अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया जा रहा है।

गजरौला क्षेत्र में दहेज के विवाद में मायके वालों से मारपीट का का मामला ,6 घायल ,एक दर्जन पर केस दर्ज



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):– जनपद के गजरौला थाना क्षेत्र में दहेज के मामले में मायके वालों के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है जिसको लेकर मायके पक्ष और ससुराल पक्ष के बीच में जमकर बवाल हुआ और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई इस मारपीट में 6 लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है की मारपीट के दौरान मौके पर भगदड़ मच गई और मामला इतना फैल गया कि वहीं पास से गुजर रही रेलवे ट्रैक पर लोग एक दूसरे पर पत्थर बाजी करने लगे। बता दें कि पूरा मामला थाना क्षेत्र के अहरोला तेजवन गांव का है जहां दहेज विवाद को लेकर बवाल हो गया। बहन की ससुराल में शिकायत

करने पहुंचे मायके वालों को कमरे में बंद कर लाठी-डंडों से पीटने का आरोप है। मारपीट में छह लोग घायल हुए हैं। विवाद बढ़ने के बाद गजरौला-नजीबाबाद रेलवे ट्रैक पर पत्थरबाजी भी हुई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उचवाया। मामले में पुलिस ने सुमित कुमार की शिकायत पर आनंद कुमार, भोलू सिंह, संतोष देवी समेत 12 नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नौगावां सादात निवासी सुमित कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बहन बबिता की शादी मार्च 2024 में गजरौला के



अहरोला तेजवन गांव निवासी आनंद कुमार के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ससुराल पक्ष की ओर से बबिता से पांच लाख रुपये और कार की मांग की जा रही थी। सुमित के मुताबिक, 24 सितंबर को बबिता ने अपने मायके वालों को दहेज की मांग और विवाद के बारे में जानकारी दी। इसके बाद सुमित परिवार के लोगों के साथ बहन की ससुराल पहुंचा। आरोप है कि वहां ससुराल पक्ष के लोगों ने मायके वालों को कमरे में बंद कर दिया और लाठी-डंडों तथा धारदार हथियारों से मारपीट की। मारपीट में छह लोगों के घायल होने की बात सामने आई है। इनमें कुंवरपाल और महेश भी शामिल हैं। सूचना मिलने पर पुलिस

मौके पर पहुंची और घायलों को वहां से बाहर निकाला। घायलों को उपचार के लिए भेजे जाने की कार्रवाई की गई। विवाद के दौरान मामला और बढ़ गया। गजरौला-नजीबाबाद रेलवे ट्रैक पर पत्थरबाजी होने लगी, जिससे आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। सुमित कुमार की शिकायत पर पुलिस ने आनंद कुमार, भोलू सिंह, संतोष देवी समेत 12 नामजद लोगों और कुछ अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डिडौली क्षेत्र में तेज रफ्तार ईको कार ने खड़े ट्रैक्टर ट्राली में मारी टक्कर,4 घायल



डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):– जनपद के डिडौली कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक तेज रफ्तार ईको कार ने सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली में जोरदार टक्कर मार दी इस हादसे में एक सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि ईको कार दिल्ली से मुरादाबाद की तरफ जा रही थी। इस हादसे में घायल सभी लोगों को

अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनका उपचार जारी है। बता दें कि डिडौली कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे-9 पर देर रात एक सड़क हादसा हुआ जहां क्षेत्र के ढकिया चमन गांव के पास तेज रफ्तार ईको कार हाईवे पर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ईको कार दिल्ली से मुरादाबाद जा रही थी। हाईवे



पर सेफ्टी डिवाइडर लगाने का काम चल रहा है, जिसके कारण एक ट्रैक्टर-ट्रॉली किनारे खड़ी थी। चालक का नियंत्रण बिगड़ने से कार सीधे ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईको कार का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया। ग्रामीणों और राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। डिडौली कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों

की मदद से घायलों को बाहर निकाला। सभी घायलों को एम्बुलेंस से नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सामान्य कराया। शुरुआती जांच में हादसा तेज रफ्तार और लापरवाही से होना बताया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ब्लाक स्तर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता मे द आर्यस की अक्षी प्रथम'

अमरोहा (सब का सपना):– जनपद में द आर्यन्स, जोया के विद्यार्थियों ने बुधवार को सिक्ख इंटर कॉलेज, नारंगपुर में आयोजित जोया ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में द आर्यन्स के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं अभिव्यक्ति कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भाषण प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग से कक्षा 12 की प्रतिभाशाली छात्रा अक्षी ने अपने प्रभावशाली वक्तव्य से निर्णायकों को प्रभावित करते हुए



ब्लॉक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। तो वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग से जीविका ने तृतीय स्थान तथा सीनियर वर्ग में प्रियांशी शेखावत ने तृतीय स्थान प्राप्त कर

विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह एवं अनिल कुमार सिंह, निदेशक अमन लिट्टु एवं गौरव

चौधरी तथा प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, सृजनात्मकता और राष्ट्र के प्रति सकारात्मक सोच का विकास करती हैं। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को इस शानदार उपलब्धि के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सम्पन्न शिक्षक गण उपस्थित रहे '

डायट में दो दिवसीय कृषि प्रदर्शनी का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):– दो दिवसीय कृषि प्रदर्शनी का आयोजन डायट बुढ़नपुर में डायट प्राचार्य शाहीन के सानिध्य में किया गया, जिसमें अमरोहा जनपद के सभी विकासखंडों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में विभिन्न विकासखंडों द्वारा कृषि, जैविक खेती, नवीन तकनीकों एवं किसानों से संबंधित उपयोगी मॉडलों और प्रदर्शनों को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में जिला उद्यान अधिकारी और जिला पशु चिकित्सा अधिकारी



मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न विकासखंडों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण

किया तथा प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की। प्रदर्शनी में जोया विकासखंड ने प्रथम स्थान प्राप्त

डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट के माध्यम से पेंशनरों को घर बैठे जीवन प्रमाण-पत्र जमा करने की सुविधा



जमा कर सकते हैं। इसके लिए पेंशनर अपने स्मार्टफोन में Aadhaar

Face RD EUa Jeevan Pramaan ऐप इंस्टॉल कर आधार आधारित फेस

शासकीय योजनाओं का लाभ वंचित पात्रों को दिलाए जाने के लिए शिविर का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):– शासन द्वारा 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक मनाये जाने वाले सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद अमरोहा मे नगर विकास विभाग से संबंधित विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ वंचित पात्रों को दिलाये जाने हेतु शिविर का आयोजन किया गया। इस सम्बन्ध मे जानकारी देते हुए नगर पालिका परिषद अमरोहा के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया की आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार के निदेश अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सार्वजनिक सेवाकाल की जनकल्याण कारी उपलब्धियों को



जन- जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत 2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने हेतु शासन के निदेशानुसार 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलाये जाने वाले सेवा संकल्प अभियान हेतु मा. नगर विकास मंत्री

उ. प्र. सरकार द्वारा दिए गए निदेशों के अनुपालन मे नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा इस एक माह की अवधि मे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी के क्रम मे आज नगर पालिका परिषद अमरोहा परिसर मे बुधवार से

06/10/2026 तक (7 दिवस) सेवा सेतु अभियान शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर मे विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी एवं उनका लाभ पात्र वंचित लोगो व परिवारों को दिलाये जाने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के पंजीकरण एवं जानकारी हेतु पालिका कार्मिको की इट्यूटी लगायी गयी है।

आज पालिका मे आयोजित शिविर मे बड़ी संख्या मे आमजन द्वारा प्रतिभाग किया गया व योजनाओं की जानकारी एवं पंजीकरण कराये गए। इस अवसर पर पालिका के अधिकारी व कर्मचारी शिविर मे उपस्थित रहे।

गजरौला में 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत 'सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर' का भव्य आयोजन



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):– जनपद की गजरौला नगर पालिका एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल के संयुक्त तत्वाधान में एक भव्य 'सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नगर को स्वच्छ रखने वाले सफाई मित्रों के श्रम का सम्मान करना तथा उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ पालिका अध्यक्ष राजेंद्र उर्फ उमा देवी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान पालिका अध्यक्ष राजेंद्र उर्फ उमा देवी ने कहा कि सफाई मित्र हमारे

नगर पालिका परिषद गजरौला एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल के संयुक्त तत्वाधान में एक भव्य 'सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नगर को स्वच्छ रखने वाले सफाई मित्रों के श्रम का सम्मान करना तथा उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ पालिका अध्यक्ष राजेंद्र उर्फ उमा देवी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान पालिका अध्यक्ष राजेंद्र उर्फ उमा देवी ने कहा कि सफाई मित्र हमारे



शहर की असली ताकत हैं और 157 घंटे के इस अभियान को सफल बनाने बाने के लिए उनका समर्पण सराहनीय है; उनका सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य ने सभी नागरिकों से शहर को स्वच्छ, स्वस्थ और समृद्ध बनाने में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। खाद्य एवं सफाई निरीक्षक नेपाल अर्य ने 157 घंटे तक चल रहे इस महा-अभियान की में सफाई कर्मियों के अमूल्य योगदान की सराहना की और उन्हें सुरक्षा उपकरणों के नियमित उपयोग के प्रति जागरूक

किया। इस गरिमापूर्ण अवसर पर पालिका अध्यक्ष उर्फ उमा देवी, अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक नेपाल सिंह, अध्यक्ष पुत्र प्रमोद सिंह, लिपिक ललित कुमार, देवेंद्र सिंह, आईटीसी कोऑर्डिनेटर यशपाल सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर अक्षय शुक्ला, दीपू कुमार, आर्य आमप्रकाश, नरेंद्र, विमोर् जंजेल, रितिक सिंगल, कपिल भटनागर, दिनेश,यशवीर, गौरव, सुमित, योगेश सफाई नायक जयचंद महेश मुनेश, आदि कर्मचारी उपस्थित रहे ।

भाकियु ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप उठाई 11 सूत्रीय मांगें



वहजोई /संभल (सब का सपना):— जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर किसानों और आम जनता से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की है। जापन के माध्यम से संगठन ने स्पष्ट किया है कि यदि शासन और प्रशासन द्वारा इन समस्याओं का शीघ्र निस्तारण नहीं किया गया तो किसान विशाल आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। जनपद संभल में अत्यधिक वर्षा एवं तेज हवाओं के कारण धान, बाजरा और उड़द उड़द की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। इसका सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा राशि देकर नुकसान की पूर्ति की जाए। अक्टूबर से शुरू होने वाली

सरकारी धान खरीद के लिए तहसीलों में सत्यापन और बारदाने की व्यवस्था पहले से पूरी की जाए ताकि किसानों को परेशानी न हो। मुरादाबाद से अलीगढ़ लिंक एक्सप्रेसवे के लिए अधिग्रहित होने वाली भूमि का सर्किल रेट वर्ष 2016 से नहीं बढ़ा है। इसमें कम से कम 100 प्रतिशत की वृद्धि की जाए और एक्सप्रेसवे को गांवों के बीच से निकालने के बजाय जंगल से निकाला जाए जिससे लोगों के मकान और दुकानें बच सकें। एक्सप्रेसवे पर सर्विस रोड अचूरी होने से रेलवे लाइन क्रासिंग या अंडरपास न होने से भारी परेशानी हो रही है इसलिए अंडरपास या



क्रॉसिंग बनाई जाए। साथ ही स्थानीय किसानों और प्रभावित गांवों को टोल टैक्स में राहत दी जाए। आगामी रबी फसल की बुआई के लिए छोटे किसानों को प्रति आधार कार्ड दो बोरी खाद दी जाए और खसरा खतौनी के मानक अनुसार एक बार में खाद उपलब्ध कराई जाए। विद्युत विजिलेंस टीम द्वारा बंदर की तरह केबल कटने पर भारी जुमाना व सुविधा शुल्क वसूलने और एफआईआर हल्का करने के नाम पर अवैध वसूली करने जैसी कार्रवाई पर तुरंत रोक लगाई जाए। बिजली विभाग में तैनात संविदा कर्मचारियों को उनके गांव या ब्लॉक से बाहर बिजली घर पर नियुक्त किया जाए

ताकि निष्पक्ष कार्य हो सके। जनपद में भूमि के अंश निर्धारण की वृटियों को दूर करने के लिए गांव-गांव कैप लगाए जाएं। साथ ही प्रधान प्रशासकों द्वारा भेजे गए विकास कार्यों को शीघ्र मंजूरी दी जाए। राशन कार्ड से बिना सूचना काटे गए यूनिटों को बिना सुविधा शुल्क के वापस जोड़ा जाए और राशन डीलरों द्वारा राशन की कटौती और निजी कर्मचारियों की भरमार पर रोक लगे। जनपद में प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले किसान दिवस को शासनादेश के अनुसार नियमित रूप से कराया जाए।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की पहल से टूटने से बचे दो परिवार



चन्दौसी/संभल (सब का सपना):— पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी के आदेश अनुसार अपर पुलिस अधीक्षक मनोज रावत तथा क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह के कुशल निर्देशन में चंदौसी स्थित गौशाला रोड पिंग चौकी पर पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। महिला थानाध्यक्ष और परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की

अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक में कार्डसलरों के सहयोग से पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी पारिवारिक विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का गंभीर प्रयास किया गया। बैठक के दौरान परामर्श केंद्र में कुल 40 पारिवारिक मामलों और फाइलों की गहन सुनवाई की गई। इस दौरान कार्डसलरों द्वारा दोनों पक्षों की बातें सुनकर तथा उनके बीच की



गलतफहमियों को दूर करते हुए कुल 14 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इस दौरान सबसे उल्लेखनीय सफलता दो परिवारों के पुनर्मिलन में मिली जहाँ आपसी सहमति और समझ के बाद 2 जोड़ों ने फिर से एक साथ रहने का निर्णय लिया जिससे उनके परिवार टूटने से बच गए। इसके अतिरिक्त जिन मामलों में आपसी सहमति की कोई संभावना नहीं बन पा रही थी ऐसे 3

मामलों में विधिक (कानूनी) कार्रवाई की संस्तुति की गई। वहीं 9 मामलों में आवेदकों द्वारा रुचि न लेने अथवा अन्य कारणों से उनकी फाइलों को बंद कर दिया गया। इस अवसर पर परामर्श केंद्र की वरिष्ठ कार्डसलर रबेता गुप्ता संगीता भार्गव पूनम अरोरा और हेड कार्टेबल मनोहर सिंह सहित पुलिस विभाग के अन्य लोग और पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति और पॉक्सो जागरूकता अभियान में छात्र-छात्राओं को बताए सुरक्षा के उपाय

वहजोई/संभल(सब का सपना):— राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के उपलक्ष्य में 25 सितंबर से 1 अक्टूबर तक विद्यालयों में चलाए जा रहे विशेष मिशन शक्ति एवं पॉक्सो जागरूकता अभियान के तहत राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय भुलावई में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के साथ ही बच्चों को उनके अधिकारों और कानून की जानकारी देना रहा। पुलिस अधीक्षक संभल विकास चंद्र त्रिपाठी के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी/नोडल मिशन शक्ति मनोज कुमार रावत और क्षेत्राधिकारी चन्दौसी/सहायक नोडल मिशन शक्ति



विवेक जावला के पर्यवेक्षण में आयोजित कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट अवधेश कुमार सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजोव कुमार सिंह मय टीम, पैनल लॉयर्स, मिशन शक्ति प्रभारी थानाध्यक्ष रुकमपाल सिंह,

विद्यालय प्रधानाचार्य अब्दुल सईद, उपनिरीक्षक धनवीर सिंह, महिला हेड कांस्टेबल डोली रानी, महिला कांस्टेबल जानवरी सहित मिशन शक्ति टीम मौजूद रही। कार्यक्रम में करीब 150 छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकगण ने

सहभागिता की। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम, महिला एवं बालिका सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। साथ ही किसी भी आपात स्थिति में पुलिस और संबंधित विभागों से सहायता लेने के बारे में बताया गया। छात्र-छात्राओं को 1090, 181, 112, 1930 और 1098 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। बच्चों ने उत्साहपूर्वक सवाल पूछे, जिनका अधिकारियों ने सरल भाषा में जवाब देकर कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के अध्यापक अब्दुल सईद ने किया।

धनौरा सीएचसी में संविदा एएनएम की मांगे पूरी न होने पर विरोध प्रदर्शन,की नारेबाजी

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):— जनपद की मंडी धनौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बुधवार को संविदा एएनएम कर्मियों ने अपनी मांग पूरी न होने को लेकर सीएससी परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कार्य बहिष्कार करते हुए शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका कहना है कि जब तक सरकार उनकी मांगि पूरी नहीं करती तब तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा। बता दें कि इसके बारे में जानकारी देते हुए एएनएम सुनीता ने बताया कि वे लंबे समय से ग्रामीण व शहरी इलाकों में



स्वास्थ्य सेवाएं दे रही हैं। उनकी मुख्य मांगों में समान वेतन, नियमितीकरण और गृह जिले में

तबादला शामिल है, जिनकी अनेदेखी हो रही है।एएनएम प्रगति ने साफ कहा कि जब तक सरकार

उनकी मांगों पर सकारात्मक रुख नहीं अपनाती और मानदेय व सेवा शर्तों का पक्का हल नहीं निकालती, तब तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।संविदा कर्मियों की हड़ताल से सीएचसी में मरीजों को परेशानी हो रही है। टीकाकरण, प्रसव पूर्व जांच और अन्य नियमित स्वास्थ्य सेवाएं बंद होने से मरीज परेशान दिखे।इस दौरान प्रगति, सुनीता, विनीता, कोमल, बीना, नीतू, रीतू, सीतू, शारिबा, सदाना, अंशू, सुमनलता, ज्योति, सुमन, रेखा और शोभा समेत कई संविदा ANM कर्मी मौजूद रहीं।

वहजोई/संभल (सब का सपना):—

जनपद के ग्राम खिरनी (मोहिउद्दीनपुर) के किसानों ने अलीगढ़-मुरादाबाद कॉरिडोर के प्रस्तावित अलाइनमेंट को यथावत रखने की मांग को लेकर प्रशासन और एनएचएआई को एक सामूहिक जनहित प्रत्यावेदन सौंपा है। किसानों ने मांग की है कि किसी भी दबाव में आकर वर्तमान अलाइनमेंट में कोई बदलाव न किया जाए ताकि गांव के पास बची हुई उपजाऊ कृषि भूमि को अधिग्रहण से बचाया जा सके। प्रत्यावेदन में किसानों ने स्पष्ट किया कि वर्तमान मार्ग एनएचएआई और तकनीकी कंसल्टेंसी टीम के सर्वे के आधार पर तैयार हुआ है जो व्यावहारिक और तकनीकी रूप से



बिल्कुल उपयुक्त है। प्रस्तावित मार्ग में गटा संख्या 532, 541, 542, 562, 563, 574, 576, 578, 583, 588, 589, 693, 694, 698, 700, 707, 708, 711, 714, 715, 717, 750, 761, 762, 763 और 788 समेत

की जा चुकी है, जिसके बाद अब उनके पास आजीविका चलाने के लिए बहुत सीमित कृषि भूमि बची है। कुछ खातेदार निजी स्वायत्त के कारण इस मार्ग को बहुफसली उपजाऊ जमीन की तरफ मोड़ने का दबाव बना रहे हैं। यदि अलाइनमेंट में फेरबदल किया गया तो कई किसान पूरी तरह भूमिहीन हो जाएंगे जिससे क्षेत्र में भारी जन-आक्रोश पनप सकता है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी और एनएचएआई के परियोजना निदेशक से गुहार लगाई है कि वर्तमान सर्वे को ही अंतिम रूप देकर अलाइनमेंट को यथावत रखा जाए।

अपनी मांगों को लेकर तीसरे दिन भी संविदा एएनएम का अनिश्चितकालीन धरना जारी



वहजोई/संभल (सब का सपना):— सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर संविदा एएनएम का अनिश्चितकालीन धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। संविदा एएनएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों के समर्थन में विरोध जताया और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। एएनएम ने स्पष्ट किया है कि जब तक उनकी मांगों पर लिखित रूप में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया

जाता तब तक उनका यह विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। धरने पर बैठी संविदा एएनएम का कहना है कि वे लंबे समय से स्वास्थ्य विभाग में पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं दे रही हैं और विभाग द्वारा दी जाने वाली सभी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। इसके बावजूद उनकी पुरानी मांगें अब तक लंबित पड़ी हुई हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सौंप गए ज्ञापन में संविदा एएनएम ने समान कार्य के लिए समान वेतन और केशलेस इलाज जैसी सुविधाओं की मांग प्रमुखता से उठाई। उनका



कहना है कि नियमित कर्मचारियों के समान जिम्मेदारी निभाने के बाद भी उन्हें अपेक्षित सुविधाएं और वेतन लाभ नहीं मिल पा रहा है। वे अपनी मांगों को शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अधिकारियों के समक्ष रख रही हैं।एएनएम के अनुसार इससे पहले भी विभाग को लिखित में अपनी समस्याओं से अवगत कराया गया था लेकिन कोई समाधान न निकलने के कारण उन्हें अनिश्चितकालीन धरना देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही

लिखित रूप में ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो वे कार्य बहिष्कार करने को बाध्य होंगे। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मांगों को उच्च स्तर तक पहुंचाकर उचित कार्रवाई कराने का अनुरोध किया। प्रदर्शन के दौरान नीरज कुमारी, विमलेश, प्रियंका, डोली, रजनी, गीता, कंचन चौधरी, सीमा चौहान, प्रीति कुमारी, प्रीति पाल, उमेश कुमारी और स्वाति समेत दर्जनों संविदा एएनएम मौजूद रहीं।

सनातन धर्म प्रचार सभा के तत्वाधान में निकली कलश यात्रा

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- सनातन धर्म प्रचार सभा के तत्वाधान में श्रीमद्भागवत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। प्राप्त समाचार के अनुसार बुधवार को सनातन धर्म प्रचार सभा के तत्वाधान में नगर सीमा स्थित नव दुर्गा मंदिर से 251 महिलाओं की कलश यात्रा प्रारंभ हुई। जिसमें कथा के मुख्य यजमान एन.पी.पी. सभासद व समाज सेवी मुकेश गुप्ता व उनकी धर्मपत्नी पायल गुप्ता अपने सर पर श्री मद्भागवत को लेकर कलश यात्रा के साथ आगे चल रहे थे। बैड बाजे



धार्मिक धुने बजाते हुए चल रहा था। कलश यात्रा दुर्गा मंदिर , थाना कोतवाली, एजेंसी चैराहा, कालू की आढ़त, मोहल्ला हलवाइयान, सब्जी

जाकर संपन्न हुई। इस अवसर पर बाबा मलंग दास, समिति के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल,पलक गुप्ता, पवन अग्रवाल, रमन गोयल, निश्वल त्यागी, रतन सेनी, सुशांत अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, नामित सभासद अंकुश अग्रवाल, अंजू गोयल,मौरा अग्रवाल, रचना तायल, बबीता अग्रवाल, छाया अग्रवाल, मोहिनी त्यागी आदि महिलाएं शामिल रही। इस अवसर पर कलश यात्रा में सबसे पीछे कथा व्यास सुदामा दास जी रथ पर सवार थे। सुरक्षा की दृष्टि एस एस आई कुलजीत समेत पुलिस बल तैनात रहा।

नजीबाबाद-हरिद्वार हाईवे पर मृत बंदर का हिंदू रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार

भागूवाला/बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद-हरिद्वार हाईवे पर भागूवाला नहर के पास एक मृत बंदर मिलने पर राहगीरों की सूचना पर 'केसरिया हिंदू वाहिनी गोरक्षा प्रकोष्ठ' और वन विभाग ने मिसाल पेश की। संगठन की सूचना पर राजगढ़ रेंज के वनरक्षक मेघनाथ सिंह मौके पर



स्वच्छता ही सेवा एवं एचएसएस-2026 के तहत स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए लगाए गए शिविर

सहसपुर/बिजनौर (सब का सपना):- शासन के निर्देशों के क्रम में स्वच्छता ही सेवा एवं एचएसएस-2026 के तहत बुधवार को नगर पंचायत परिषद सहसपुर तथा नगर पालिका परिषद स्योहारा में स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य की जांच की तथा आवश्यकतानुसार दवाएं वितरित कीं। सहसपुर नगर पंचायत कार्यालय में चेयरमैन नाहिद परवीन एवं अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में सीएचसी स्योहारा के अधीक्षक डॉ. बीके स्नेही के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कुल



73 कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसके बाद नगर पालिका परिषद स्योहारा में भी स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। यहां चेयरमैन फैसल वारसी एवं अधिशासी अधिकारी विजेंद्र पाल की उपस्थिति में चिकित्सकों ने 60 कर्मचारियों की

में उनके स्वास्थ्य की नियमित जांच और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविरों से कर्मचारियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने में भी मदद मिलती है। शिविर में डॉ. अममोल अरोरा, अभिजीत भारद्वाज, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. शाहिद, डॉ. तुषित, आईओ वीर सिंह, हरीश कुमार, फार्मासिस्ट सुनील कुमार, देवेंद्र कुमार एलटी, सुमित कुमार, उमेश कुमार नेत्र परीक्षण अधिकारी, सजौदीन सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। सहसपुर से सलमान बाबू, देवेंद्र बाबू, शान बाबू समेत नगर पंचायत के कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

गन्ने का भाव 600 किंटल करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- तहसील परिसर में सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) की मासिक बैठक जिला सचिव शमशाद गुज्जर की अध्यक्षता तथा नीरज बालियान के संचालन में आयोजित हुई। बैठक में किसानों एवं आमजन से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग उठाई गई। बैठक के बाद कार्यकर्ताओं ने

उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के निस्तारण की मांग की। ज्ञापन में मांग की गई कि आगामी गन्ना पेराई सत्र शुरू होने से पहले गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति किंटल निर्धारित किया जाए। इसके अलावा मेरठ-पौड़ी हाईवे-119 पर प्रतापपुर/जमालादी के निकट बंद किए गए हाईवे कट को तत्काल खुलवाने की मांग की गई, ताकि ग्रामीणों एवं राहगीरों को आवागमन

में परेशानी न हो। भाकियू कार्यकर्ताओं ने राजकीय नेत्र चिकित्सालय में एक बालक की आंख की रोगश्री प्रभावित होने के मामले का उल्लेख करते हुए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध जांच कर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। इसके साथ ही नगर में बढ़ती आवाक कुत्तों की समस्या पर प्रभावी रोक लगाने, गौशाला में विद्युत

कनेक्शन उपलब्ध कराने तथा राशन कार्ड एवं खसरा-खतौनी से संबंधित विसंगतियों को दूर करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। भाकियू पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों और आमजन से जुड़ी समस्याओं का समयबद्ध तरीके से समाधान कराया जाना आवश्यक है। ज्ञापन सौंपते समय संगठन के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

मृतक आश्रित कोटे में 23 साल से नहीं मिली नौकरी अब पैदल ही लखनऊ तक संघर्ष

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- शेरकोट थाना क्षेत्र के गांव शहजादपुर निवासी कुलदीप कुमार करीब 23 वर्षों से नौकरी की आस लगाए हैं। पिता की द्यूटी के दौरान हुई मौत के बाद मृतक आश्रित कोटे में नौकरी की मांग को लेकर उन्होंने अब धामपुर से लखनऊ तक पैदल यात्रा शुरू की है। कुलदीप का कहना है कि वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जनता दरबार में पहुंचकर अपनी मांग से संबंधित प्रार्थना पत्र सौंपेंगे। बुधवार को कुलदीप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके पिता स्वर्गीय अमीचंद चांदपुर स्थित आयुर्वेदिक यूनानी अस्पताल में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे। 18 दिसंबर



1990 को द्यूटी के दौरान उनका निधन हो गया था। उनका आरोप है कि निधन के समय विभाग की ओर से उनके पिता का करीब छह माह का वेतन भी लंबित था। पिता लगातार चांदपुर से किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरण की मांग कर रहे थे, लेकिन उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया गया। कुलदीप के अनुसार, आर्थिक स्थिति कमजोर होने के

बावजूद वह लंबे समय से मृतक आश्रित कोटे में नौकरी पाने के लिए विभागीय स्तर पर प्रयास करते रहे हैं। उनका कहना है कि इस दौरान करीब पांच से छह लाख रुपये खर्च हो चुके हैं, लेकिन अभी तक नौकरी नहीं मिल सकी है। कुलदीप ने 19 सितंबर को धामपुर तहसील से लखनऊ के लिए पैदल यात्रा शुरू की। उन्होंने बताया कि वह प्रतिदिन

करीब 40 किलोमीटर पैदल चल रहे हैं और रात में रास्ते में गुरुद्वारा, मंदिर अथवा धर्मशाला में विश्राम करते हैं। उनके अनुसार, 30 सितंबर को उनकी यात्रा सीतापुर जिले के सिधौली कस्बे तक पहुंच गई है और एक-दो अक्टूबर तक लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री के जनता दरबार में अपनी मांग रखने का प्रयास है। कुलदीप ने बताया कि उनके परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है। बेरोजगारी और आर्थिक तंगी के कारण वह अपनी मांग को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। अब उन्होंने अपनी आवाज शासन तक पहुंचाने के लिए पैदल लखनऊ जाने का निर्णय लिया है।

सेवानिवृत्त पथ प्रकाश कर्मी लईक अहमद को दी भावभीनी विदाई

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद के पथ प्रकाश कर्मचारी लईक अहमद के सेवानिवृत्त होने पर बुधवार को पालिका सभाकक्ष में विदाई समारोह आयोजित किया गया। पालिका के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार एवं चेयरपर्सन पुत्र शेख सिराज खलील ने सेवानिवृत्त कर्मी को फूलमाला पहनाकर एवं छह लाख रुपये का चेक सेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान पालिका स्टाफ ने शालि आढ़ाकर एवं उपहार भेंट कर



उन्हें भावभीनी विदाई दी। मुनीर अहमद जेदी के संचालन में आयोजित सादे समारोह में ईओ सतीश कुमार ने लईक अहमद के कार्यकाल की सराहना करते हुए

कहा कि उन्होंने अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन किया तथा सभी शिकायत का अवसर नहीं दिया। उन्होंने पालिका कर्मचारियों से भी अपने कर्माचारों को ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ करने का आह्वान किया। चेयरपर्सन पुत्र शेख सिराज खलील ने कहा कि लईक अहमद अपनी द्यूटी के प्रति ईमानदार और वफादार कर्मचारी रहे हैं। अन्य कर्मचारियों को भी उनसे प्रेरणा लेकर अपने दायित्वों का निर्वहन करना

चाहिए। उन्होंने पालिका स्टाफ के कार्यों की भी सराहना की। इस अवसर पर पथ प्रकाश लिपिक इंदिरा वाल्मीकि, सफाई निरीक्षक धीरज राय वर्मा, प्रधान लिपिक इफ्तेर जेदी, मोहम्मद असलम, तलत अहमद, निर्माण लिपिक नरेश कुमार, दीपक कुमार, विनोद कुमार, रोहित कुमार, अनीता रानी सहित पालिका के सम्पत्त कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मचारियों ने लईक अहमद को फूलमाला पहनाकर और उपहार भेंट कर नम आंखों से विदाई दी।

कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की ओर से ज्ञापन के माध्यम से की एसआईआर रोकने और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग



स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की ओर से राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी, स्योहारा को सौंपा गया। ज्ञापन में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का उल्लेख किया

हुए। विभिन्न मार्गें रखी गई हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि चुनाव आयोग को स्वतंत्र संस्था के रूप में काम करना चाहिए, लेकिन वर्तमान में चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आ रही हैं। ज्ञापन में द ईंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट का हवाला देते हुए एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का उल्लेख किया



गया है। इसमें कहा गया कि दो चुनाव आयुक्तों ने नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, नाम हटाए जाने, मतदाता डेटाबेस तक पहुंच को केंद्रीकृत किए जाने और चुनावी प्रक्रिया में बदलाव को लेकर चिंता जताई थी। ज्ञापन में फॉर्म-6 में किए गए कथित बदलावों का भी उल्लेख किया गया है। माफका ने राष्ट्रपति से मुख्य चुनाव आयुक्त का तत्काल इस्तीफा कराने,

एसआईआर प्रक्रिया को रोकने तथा एसआईआर के बाद कराए गए बिहार और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को रद्द कर पुरानी मतदाता सूची बहाल करने की मांग की है। ज्ञापन खंड विकास अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजा गया। इसमें चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और मतदाता सूची से जुड़े मामलों पर कार्रवाई की मांग की गई है।

प्रेमपुरी में मिला मगरमच्छ, वन विभाग ने कोटावली नदी में सुरक्षित छोड़ा

ग्रामीणों में मचा हड़कंप, कड़ी मशक्कत के बाद हुआ रेस्क्यू

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- समीपवर्ती गांव प्रेमपुरी में उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब गांव के पास नदी किनारे एक मगरमच्छ दिखाई दिया। आबादी क्षेत्र के निकट मगरमच्छ की मौजूदगी की खबर फैलते ही ग्रामीणों में दहशत फैल गई और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की भनक लगते ही वन विभाग की टीम हरकत में आई। वन दरोगा रघुवीर सिंह के नेतृत्व में पहुंची टीम ने स्थानीय



ग्रामीणों के सहयोग से बेहद सूझबूझ और सावधानी बरतते हुए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को

सुरक्षित काबू में कर लिया गया, जिसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन दरोगा रघुवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि

मगरमच्छ को किसी प्रकार की क्षति पहुंचाए बिना रेस्क्यू किया गया है। तत्पश्चात उसे उत्तराखंड की ओर बहने वाली कोटावली नदी के सुरक्षित जल क्षेत्र में वापस छोड़ दिया गया है। वर्षा व जलभराव के दिनों में जलीय जीव अकसर बहकर आबादी या किनारे वाले क्षेत्रों में आ जाते हैं। नदी-नालों के किनारे रहने वाले ग्रामीण पूरी सतर्कता बरतें। किसी भी वन्यजीव के दिखने पर उसे नुकसान न पहुंचाएं, तुरंत वन विभाग को सूचित करें।

हीमपुर बुजुर्ग में घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग से दहशत

विवाद के बाद युवक के अस्पताल जाने की चर्चा, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने का दावा

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- थाना चांदपुर क्षेत्र के ग्राम हीमपुर बुजुर्ग में मंगलवार रात करीब 11 बजे एक घर पर कथित रूप से ताबड़तोड़ फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। अचानक हुई गोलीबारी से गांव में दहशत का माहौल बन गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने की भी चर्चा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना से पहले किसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी। इसी दौरान एक युवक के घायल होने तथा उसे



उपचार के लिए अस्पताल ले जाने की बात सामने आ रही है। आरोप है कि युवक के अस्पताल जाने के बाद कुछ लोग पीछे से उसके घर

पहुंचे और घर को निशाना बनाते हुए कई राउंड फायरिंग की। बताया जा रहा है कि फायरिंग करने वाले आरोपी स्थानीय न होकर बाहरी

बताए जा रहे हैं। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि अभी सामने नहीं आई है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद होने की बात भी कही जा रही है। घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है। लोगों ने पुलिस से मामले की जांच कर फायरिंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस द्वारा वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज की जांच किए जाने के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति और आरोपियों की पहचान स्पष्ट हो सकेगी।

स्योहारा में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सफाई मित्र सुरक्षा शिविर आयोजित

सफाई मित्रों का कराया गया स्वास्थ्य परीक्षण, उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को किया सम्मानित



स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद स्योहारा में बुधवार को स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के अंतर्गत सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में निकाय के सम्पत्त स्टाफ की मौजूदगी रही। कार्यक्रम का दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रम के तहत सजीव प्रसारण भी किया गया। निर्देशालय के निर्देशों के क्रम में



एवं अन्य सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया। नगर पालिका की ओर से आयोजित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर लेखा लिपिक/अधिष्ठान लिपिक देवेंद्र सिंह, मोहम्मद शान, अमित कुमार, सफाई नायक कपिल कुमार, पप्पू, अरुण, सुंदर व दीपक सहित अन्य सफाई

मित्र एवं पालिका कर्मचारी मौजूद रहे। नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम में भाजपा मंडल प्रभारी एवं मुख्य अतिथि डॉ. विनीत कुमार देवरा, नगर अध्यक्ष नीरज राणा, मंडल उपाध्यक्ष वीरेंद्र, कार्यक्रम प्रभारी धर्मवीर सिंह, पूर्व मंडल शेरकोट, नेपाली सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र, पीटू जोशी, डॉ. दिनेश सैनी समेत अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क पर मोबाइल बना काल: तेज रफ्तार के साथ फोन पर बात करने से राहगीरों की सांसें अटकीं

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के बाजारों, मोहल्लों कि सड़कों और फोरलेन पर दोपहिया व चौपहिया वाहन चालकों की एक बड़ी लापरवाही अब आम लोगों की जान पर भारी पड़ने लगी है। तेज रफ्तार बाइके चलाते वक्त कान पर मोबाइल फोन सटाकर बात करना और कार ड्राइविंग के दौरान एक हाथ से स्टीयरिंग संभालते हुए फोन चलाय या गाने बदलना रोडमर्रा का मंजर बन चुका है। अचानक संतुलन बिगड़ने से न केवल चालक खुद अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य



हादसे का डर बना रहता है। क्षेत्रवासियों ने जनपद के पुलिस अधीक्षक के.के. विश्‍नोई का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकृष्ट कराया है। लोगों ने यातायात पुलिस से मांग की है कि फोरलेन व मुख्य बाजारों की सड़कों पर समय समय पर चेकिंग अभियान चलाया जाए। मुख्य चौराहों और फोरलेन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज

खंगालकर गाड़ी नंबर ट्रेस कर मोबाइल का इस्तेमाल करने वाले चालकों के वाहन नंबर के आधार पर सीधे ई-चालान की कठोर कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों व नगरवासियों का मानना है कि यदि पुलिस सख्त राइड अपनाते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चालकों में पुलिस का डर पैदा होगा। इससे वाहन चलाते समय फोन पर बात करने की लत पर अंकुश लगेगा और सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी गिरावट आएगी।

ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों की दिखी प्रतिभा

प्राथमिक में आदर्श और कोमल तो जूनियर में अंकुश और अंशिका बने चैंपियन

अमौली/फतेहपुर (सब का सपना):- विकासखंड अमौली के बलदेव गिरी पाठशाला इंटर कॉलेज के खेल मैदान में परिषदीय विद्यालयों के बच्चों के लिए एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न हुई। खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश अवस्थी ने मां सरस्वती का पूजन-अर्चन व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संचालन शिक्षक उमेश कुमार त्रिवेदी ने किया। बच्चों ने प्रातःकाल से विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों एवं शिक्षकों की जमकर तालियां बटोरीं। प्रतियोगिताओं में प्राथमिक स्तर की 50 मीटर, 100 मीटर व 200 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में कंपोजिट चांदपुर के आदर्श तथा बालिका वर्ग



में पूरारहत अली की कोमल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस तरह दोनों ने प्राथमिक स्तर की चैंपियनशिप जीत कर इतिहास रच दिया। गोला फेंक में कंपोजिट पाराधनई के अंकुश प्रथम तथा बालिका संवर्ग में कंपोजिट गोहारारी की खुशी ने बाजी मारी, तो चक्का फेंक में बालक वर्ग में पुनः अंकुश और बालिका वर्ग में

आलिया विजेता रहीं। जूनियर स्तर में कंपोजिट गोहारारी की अंशिका और कंपोजिट पाराधनई के अंकुश ने चैंपियनशिप जीती। खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश अवस्थी ने सभी विजेता बच्चों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खेलों को जीवन का आधारभूत तथ्य

और स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक लाभदायक बताया तथा कहा कि खेल में जीत से ज्यादा जरूरी प्रतिभाग करना है। उन्होंने कम समय में सफल आयोजन के लिए आयोजन समिति के शिक्षक सदस्यों को बधाई दी। संचालक उमेश कुमार त्रिवेदी एवं ब्लॉक व्यायाम शिक्षक आदित्य पांडेय ने शिक्षक समुदाय एवं बच्चों की उपस्थिति और सहयोग के लिए आभार जताया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शुभा देवी, मधु उत्तम, सोनी, एआरपी शैलेंद्र सचान, डॉ. प्रशांत पांडेय, राजेंद्र प्रसाद, सुशील कुमार, सौरभ कुमार, प्रदीप शुक्ला, कमल किशोर, कुलदीप तिवारी, महावीर वर्मा, मयंक कटियार, चंद्रेश, अनिल के साथ पूरे ब्लॉक के शिक्षक-शिक्षिकाएं व बच्चे उपस्थित रहे।

गुरुग्राम आपूर्ति विभाग के चार अफसरों के खिलाफ राशन घोटाले में केस दर्ज

एजेंसी
गुरुग्राम। जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग में राशन का बड़ा घोटाले उजागर हुआ है। सीएम फ्लाइंग टीम की जांच के बाद शहर के थाना शिवाजी नगर पुलिस ने विभाग के चार अधिकारियों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। शिकायत के अनुसार विभागीय रिकॉर्ड की जांच में जुलाई, अगस्त और नवंबर 2023 के दौरान कुल 1,53,104 किलो गेहूँ एसो पीओएस मशीनों में ट्रांसफर किया गया, जो किसी भी राशन डिपो को आवंटित ही नहीं थीं। सत्यापन में पाया गया कि संबंधित मशीनें भौतिक रूप से मौजूद ही नहीं थीं और 2020 के बाद सरकार की ओर से उनमें राशन का आवंटन भी नहीं किया गया था। रिकॉर्ड के मुताबिक जुलाई 2023 में 71,735 किलो, अगस्त में 57,969 किलो और नवंबर में 23,400 किलो गेहूँ का फर्जी ट्रांसफर किया गया। आरोप है कि अधिकारियों ने डिपो होल्डरों से मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर यह



हेराफेरी की। जांच में उप-निरीक्षक राकेश कुमार पर डिपो होल्डर बाबूराम गुप्ता से मशीन अटैच करने के नाम पर अवैध वसूली का आरोप भी लगा है। रिपोर्ट के अनुसार एक जनवरी 2022 से 31 मार्च 2026 के बीच बाबूराम गुप्ता और उनकी पत्नी सीमा गुप्ता के बैंक खातों से राकेश कुमार के खाते में कुल 1,29,200 रुपये ट्रांसफर किए गए। शिकायतकर्ता ने पुलिस से 2022 से 2026 तक के सभी ट्रांसफर रिकॉर्ड को कब्जे में लेकर गहन जांच की मांग की है। साथ ही कहा है कि जांच में जो भी अन्य अधिकारी या व्यक्ति शामिल पाया जाए,

निमार्णाधीन इमारत से गिरकर श्रमिक की मौत मामले में 7 के खिलाफ प्राथमिकी

एजेंसी
नोएडा। चिपियाना बुजुर्ग स्थित एक निमार्णाधीन इमारत में काम के दौरान दूसरी मंजिल से गिरकर एक श्रमिक की मौत के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मृतक के भाई की तहरीर पर बिसरख कोतवाली पुलिस ने सोमवार को चार बिल्डरों और तीन ठेकेदारों समेत सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। बुलंदशहर निवासी पंकज गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र में इंद्रगढ़ी स्थित अंबेडकर कॉलोनी में रहते थे। वह बिसरख के चिपियाना बुजुर्ग में बिहारी मॉकेंट के पास ग्रीन वेली-2 किस्मन विला में काम करते थे। पंकज के भाई बंटी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बिल्डर दिनेश शर्मा, सुरेश चौहान, लोकेश पंडित और मोहन चौहान और ठेकेदार क्रिश, पास और बिजेंद्र ने पंकज को काम के लिए



बुलाया था। 27 सितंबर (रविवार) को शाम करीब चार बजे काम करते समय पंकज दूसरी मंजिल से नीचे गिर गए। गंभीर चोटें लगने के कारण उनकी मौत हो गई।हादसे के बाद पंकज को तत्काल मणिपाल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव का पोस्टमॉर्टम गाजियाबाद के मोचंरी में कराया गया। बंटी ने आरोप लगाया है कि नामजद लोगों ने काम

शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर भाजपा ने कसी कमर

सुरेश राणा ने कार्यकर्ताओं को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भाजपा जिला कार्यालय पर शिक्षक एवं स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। मुख्य अतिथि जिला प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा तथा स्नातक एमएलसी प्रत्याशी दिनेश चंद गोयल रहे। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने की। बैठक में 5 अक्टूबर के नामांकन और 23 अक्टूबर के मतदान को लेकर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की गई। मंडल से लेकर बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां



सौंपते हुए मतदाता संपर्क, सूची प्रबंधन और संगठनात्मक समन्वय मजबूत करने पर जोर दिया गया। सुरेश राणा ने कार्यकर्ताओं से

अपने दायित्वों का गंभीरता और अनुशासन के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। दिनेश चंद गोयल ने शिक्षक एवं स्नातक

समाज की समस्याओं और अपेक्षाओं को प्रमुखता से उठाने की बात कही।

जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने कहा कि चुनाव को लेकर सभी मंडलों में आवश्यक व्यवस्थाएं मजबूत की जा रही हैं। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष अंतुल तेवतिया, विधायक प्रदीप चौधरी, देवेंद्र लोधी, लक्ष्मीराज सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष दीपति मि्तल सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, संयोजक एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नहीं हटेगा गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड टोल, नोटिफिकेशन जारी -सरकार ने अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया



एजेंसी
गुरुग्राम। गुरुग्राम-फरीदाबाद को जोड़े वाली सड़कों पर लगने वाले चार टोल टैक्स अभी नहीं हटेंगे। सरकार ने इन टोल को अनिश्चितकाल तक जारी रखने का फैसला करते हुए नया नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। पहले इन चारों टोल को बंद करने की अंतिम तिथि दो जुलाई 2026 तय की गई थी। अब नए नोटिफिकेशन के अनुसार टोल पर फीस वसूली लगातार जारी रहेगी। नोटिफिकेशन के मुताबिक, इन टोल पर निजी कार, स्टेशन वैगन और तिपहिया वाहन चालकों से 40 रुपये का एकतरफा शुल्क लिया जाएगा। वहीं कमर्शियल, लॉजिस्टिक वाहनों और भारी मशीनरी से प्रति ट्रिप 350 रुपये तक का शुल्क वसूला जाएगा। बार-बार सफर करने वाले यात्रियों के लिए सरकार ने दैनिक और

मासिक पास की सुविधा भी दी है। एक ही दिन में कई बार टोल क्रॉस करने वाले चालक एक दिन के शुल्क का 1.5 गुना देकर पूरे दिन आवाजाही कर सकेंगे, जो आधी रात से मान्य होगा। कमर्शियल वाहनों के लिए मासिक पास एकल यात्रा शुल्क का 30 गुना होगा,

जबकि गैर-व्यावसायिक निजी वाहनों के लिए मासिक पास की दर एकल यात्रा शुल्क का 20 गुना तय की गई है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार गुरुग्राम-फरीदाबाद राजमार्ग क्रेशर जोन रोड और बल्लभगढ़-सोहना खंड

पर लगने वाले टोल प्लाजा पर फीस वसूली पहले की तरह जारी रहेगी। स्थानीय निवासियों और किसानों को राहत देते हुए अधिसूचना में कई श्रेणियों को टोल से छूट दी गई है। दोपहिया वाहन, कृषि ट्रैक्टर-ट्रॉली, पुलिस वाहन, अग्निशमन गाड़ियां, एंबुलेंस और गैर-व्यावसायिक स्थानीय आवागमन करने वाले लोगों से कोई टोल नहीं लिया जाएगा। बता दें कि कि गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर टोल को लेकर लंबे समय से विरोध होता रहा है। स्थानीय लोगों और कई जनप्रतिनिधियों ने कई बार टोल हटाने की मांग की थी, जिसके बाद सरकार ने दो जुलाई 2026 तक टोल का समय तय किया था। अब नए नोटिफिकेशन के बाद टोल हटने की उम्मीद खत्म हो गई है। इससे रोजाना गुरुग्राम से फरीदाबाद जाने वाले हजारों यात्रियों पर सीधा असर पड़ेगा।

तेज रफतार कार की टक्कर से सब्जी विक्रेता की मौत

एजेंसी
नोएडा। सेक्टर-39 थानाक्षेत्र में सोमवार देर रात तेज रफतार स्कोर्पियो ने रेहड़ी लेकर घर जा रहे सब्जी विक्रेता को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संभल के बहजोई निवासी सोमवीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका 32 वर्षीय भाई मंगल सिंह बरौला में परिवार के साथ रहता था। वह रेहड़ी पर सब्जी बेचता था। सोमवार रात सब्जी बेचने के बाद वह घर लौट रहा था। इसी दौरान आरक्खूबी मॉल के पास पीछे से आई तेज रफतार कार ने उनकी रेहड़ी में टक्कर मार दी। टक्कर



लगने से मंगल सिंह सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी रेहड़ी भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर

पोस्टमॉर्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। वाहन के नंबर के आधार पर पुलिस आरोपी चालक तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

अमरोहा में सपा का दलित समाज सम्मेलन आयोजित, राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन का हुआ स्वागत

अमरोहा (सब का सपना):- बुधवार को अमरोहा के भारत बैंकट हॉल में समाजवादी पार्टी द्वारा दलित समाज सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन पधारे। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख गंगेश्वरी राजेंद्र सिंह खड़गवंशी ने पटका पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। यह सम्मेलन सामाजिक न्याय, समानता, समान और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समाजवादी विचारधारा की



प्रतिबद्धता को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर रहा। सम्मेलन में वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों के

अधिकारों, समान और भागीदारी को लेकर सार्थक विचार-विमर्श हुआ। क्ताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी



सामाजिक न्याय, समान अवसर और संविधान की भावना को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। हम

सभी का संकल्प है कि समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान और बराबरी का अधिकार मिले तथा लोकतंत्र

और संविधान के मूल्यों को और अधिक मजबूती प्रदान की जाए। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष मस्तराम यादव, संवेश कुमार जाटव, सतपाल सिंह जाटव, राजकुमार सिंह वाल्मीकि, देव प्रधान वाल्मीकि, डॉ. मुंशीरूप सैफ़ी, मोहम्मद अल्लोफ सैफ़ी, अली मोहम्मद अल्वी, पप्पू यादव, परदयाल सिंह, तोता लाल सिंह, विजेंद्र सिंह, होते लाल सिंह, वीर सिंह सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, नेता एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।



‘लास्ट मैन इन टावर’ में अपने किरदार के बारे में मनोज बाजपेयी ने बात की

नेशनल अवॉर्ड विनर एक्टर मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म ‘लास्ट मैन इन टावर’ को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके किरदार को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिवॉन्स मिल रहा है। आईएनएस को दिए इंटरव्यू में मनोज ने बताया कि उनका किरदार परिवार में हमेशा ‘अच्छा इंसान’ और ‘बड़ा इंसान’ बने रहने की चाह में इतना आगे निकल जाता है कि वह अपने ही परिवार की जरूरतों को नजरअंदाज करने लगता है। मनोज बाजपेयी फिल्म में एक ऐसे रिटायर्ड स्कूल टीचर और विधुर का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी जिंदगी में खुद को हमेशा परिवार का सही और जिम्मेदार इंसान मानता रहा है। उसे लगता है कि उसने अपने परिवार के लिए बहुत कुछ किया है और जरूरत पड़ने पर हमेशा अपने भाइयों के साथ खड़ा रहा है। लेकिन, जब उसका बेटा उसे उसकी ही सोच का दूसरा पहलू दिखाता है, तो उसके लिए खुद को सही मानने की तस्वीर बदलने लगती है।

बात करते हुए मनोज ने कहा, ‘मेरा किरदार हर चीज को सही और गलत के नजरिए से देखने का आदी है। उसके लिए किसी भी परिस्थिति को बीच

के रास्ते से देखने की गुंजाइश कम है। अगर मेरे किरदार की बैकस्टोरी को समझा जाए तो उसके बारे में कई बातें उसके बेटे के जरिए सामने आती हैं। वह परिवार में हमेशा खुद को अच्छा और दूसरों से बड़ा साबित करने की कोशिश करता रहा है। उसे लगता है कि उसने अपने भाइयों के लिए बहुत कुछ किया है। उनकी मदद करके वह परिवार में अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहा है। यही सोच धीरे-धीरे उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती है।’ मनोज ने कहा, ‘अपने परिवार के लिए कुछ करने और खुद को परिवार का ‘बड़ा इंसान’ समझने की इस कोशिश में वह अपने सबसे करीबी परिवार को ही कभी पीछे छोड़ देता है। उसे हमेशा लगता है कि उसने अपने भाइयों के लिए इतना कुछ किया है, इसलिए उसके फैसलों और त्याग की कद्र होनी चाहिए। लेकिन जब उसका बेटा उसके सामने यह बात रखता है कि उसकी इस सोच और व्यवहार का असर उसके अपने परिवार पर भी पड़ा है, तो उसके अंदर की पूरी तस्वीर हिल जाती है।’ उन्होंने कहा, ‘उस वक़्त मेरे किरदार को एहसास होता है कि जिस काम को वह इतने समय से अपनी सबसे बड़ी

अच्छाई मानता आया था, वही उसके आसपास के लोगों के लिए परेशानी की वजह भी बन रहा था। कई बार हम अपनी ही अच्छाई या महानता के इतने आदी हो जाते हैं कि यह देखना बंद कर देते हैं कि हमारी वही ‘महानता’ दूसरों के लिए किस तरह मुश्किलें पैदा कर रही है।’ उन्होंने कहा, ‘इंसान अक्सर अपने किए हुए कामों को एक खास नजरिए से देखता है और खुद को सही साबित करने की कोशिश करता रहता है। असल चुनौती खुद को समझने की होती है। मेरे किरदार के साथ भी कुछ ऐसा ही होता है, जहां उसे अपनी सोच और अपने फैसलों को एक अलग नजरिए से देखने का मौका मिलता है।’ ‘लास्ट मैन इन टावर’ अरविंद अडिगा के इसी नाम के नवेल पर आधारित है। फिल्म की कहानी तेजी से बदलती मुंबई की पुच्छभूमि में सेट है। इसमें मनोज के किरदार की जिंदगी तब बदल जाती है, जब एक बड़ा बिल्डर उस पुरानी इमारत के सभी लोगों को अच्छी रकम देकर घर खाली करने का ऑफर देता है। ज्यादातर लोग इस ऑफर को स्वीकार करने के लिए तैयार हो जाते हैं, क्योंकि

इसके बदले उन्हें बड़ी रकम मिल रही होती है। लेकिन मनोज का किरदार अपना घर छोड़ने से साफ इनकार कर देता है। इसके बाद वह पूरी बिल्डिंग को खाली कराने और वहां लम्बरी टावर बनाने की योजना के बीच अकेली बड़ी रुकावट बन जाता है। कहानी सिर्फ घर बचाने की लड़ाई तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसके जरिए परिवार, रिश्तों, पैसे, सोच और इंसान के अपने बारे में बनाए नजरिए को भी दिखाया गया है।



क्या ‘बिग बॉस 20’ में आएंगे करण वाही

रियलिटी शो बिग बॉस का 20वां सीजन इन दिनों चल रहा है। सलमान खान बतौर होस्ट कमान संभाल रहे हैं। इस बीच, एक्टर करण वाही के ‘बिग बॉस 20’ में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दावा किया जा रहा है कि वे इस रियलिटी शो में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री कर सकते हैं। इसे लेकर करण वाही ने चुप्पी तोड़ी है।

अफवाहों को किया खारिज
‘बिग बॉस 20’ में करण वाही की एंट्री की खबरें सिर्फ अफवाह हैं। इन अफवाहों पर अब खुद करण ने विराम लगा दिया है। फैस के साथ इंस्टाग्राम पर बातचीत के दौरान, करण वाही ने इन अटकलों पर बात की और साफ किया कि उनका पहले का जिक्र असल में उनके पर्सदीदा काई गेम ऊनो के बारे में था, न कि रियलिटी शो में उनके शामिल होने का कोई संकेत था। बिग बॉस 20 में शामिल होने की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए वाही ने कहा, ‘मैं ऊनो की बात कर रहा था, जो मेरा पर्सदीदा काई है। आप लोगों को भी चिल नहीं है लाइफ में। हर चीज का कोई न कोई दूसरा मतलब निकालना होता है। मैं बिग बॉस में आ रहा हूँ... कम से कम इस साल तो नहीं।’ बता दें कि अभिनेता की यह प्रतिक्रिया उन अफवाहों के बीच आई है कि वे ‘बिग बॉस 20’ के घर में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर जा सकते हैं। कुछ दर्शकों के बीच इन अफवाहों को इसलिए भी बहा मिली, क्योंकि उदित सिंह, जो कथित तौर पर उनकी एक्स-गर्लफ्रेंड रही हैं, अभी शो में कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हैं।



‘संस्कार’ की कहानी ने मुझे एक्सपेरिमेंट करने के लिए किया मजबूर

एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट ‘संस्कार’ को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने अब तक के रूढ़िवादी अंदाज से बिल्कुल अलग एक साधारण गृहिणी के किरदार में नजर आ रही हैं। उन्होंने आईएनएस से बात करते हुए बताया कि जब उन्हें पहली बार इस प्रोजेक्ट का ऑफर मिला था, तो वह इसे लेकर थोड़ी झिझक में थीं लेकिन कहानी ने उनका ध्यान अपनी ओर खींचा। बातचीत में मुग्धा ने कहा, ‘मैंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं किया था, इसलिए ऑफर मिलने पर मेरे मन में थोड़ी हिचक थी। शो की कहानी ऐसी थी जिसने मुझे इसके बारे में और जानने के लिए उत्सुक किया। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को नए किरदारों में आजमाना चाहती थी और कुछ ऐसा करना चाहती थी, जो मेरे लिए एक चैलेंज हो।’ मुग्धा ने कहा, ‘शूटिंग शुरू होने के बाद मेरी शुरुआती झिझक पूरी तरह दूर हो गई। जैसे-जैसे मैं प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती गई, मुझे महसूस हुआ कि इसे करने का

फैसला सही था। इस तरह के शो बहुत कम देखने को मिलते हैं, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूँ। जब मुझे पता चला कि इसे डीडी नेशनल के साथ-साथ उनके डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब्स ओटीटी पर भी टेलीकास्ट किया जाएगा, तो मेरी खुशी और बढ़ गई।’ मुग्धा गोडसे ने डीडी नेशनल से अपने जुड़ाव को भी खास बताया। उन्होंने कहा, ‘यह भारत के सबसे पुराने और लोकप्रिय चैनलों में से एक है। हम सभी डीडी देखते हुए बड़े हुए हैं और अब जब चैनल अपने प्रोफाइल को नए तरीके से बदल रहा है, तो उसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत एक्साइटिंग था। ‘संस्कार’ हर किसी के लिए है और यह हमें परिवार की अहमियत और उसकी असली बुनियाद के बारे में बताता है। इसे जरूर देखें और मुझे बताएं कि आपको यह कैसा लगा।’ ‘संस्कार’ एक फैमिली ड्रामा है, जिसमें जिंदगी के अलग-अलग रंगों को उसके अच्छे और मुश्किल दौर के जरिए दिखाया गया है।



ऋतिक रोशन के साथ एक छोटे से वीडियो ने बदल दी प्राजवता कोली की जिंदगी ऐसे शुरू हुआ यूट्यूब का सफर

आज प्राजवता कोली को लोग एक सफल कंटेंट क्रिएटर, एक्टर और राइटर के तौर पर जानते हैं। ‘मोस्टली सेन’ के नाम से उन्होंने डिजिटल दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई और बाद में एक्टिंग में भी कदम रखा। एक समय ऐसा था जब प्राजवता सिर्फ रेंडियो जॉकी बनने का सपना देखती थीं और इसी सपने को पूरा करने के लिए एक रेंडियो स्टेशन में इंटरशिप कर रही थीं। उन्हें नहीं पता था कि एक दिन रेंडियो स्टेशन पर ऋतिक रोशन के साथ बनाया गया एक छोटा-सा वीडियो उनके करियर की दिशा बदल देगा। प्राजवता ने हाल ही में ‘पहला पहला’ के लेटेस्ट एपिसोड में गोपाल दत्त के साथ बातचीत के दौरान अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने कहा, ‘मैं टागे में पली-बढ़ी और बचपन में रेंडियो की दुनिया में काम करने का सपना देखती थीं। इसी वजह से मैंने रेंडियो स्टेशन में इंटरन के तौर पर काम करना शुरू किया। उस वक़्त फिल्म ‘बैंग बैंग’ रिलीज होने वाली थी और ऋतिक रोशन फिल्म के प्रमोशन के लिए रेंडियो स्टेशन आए थे।’ प्राजवता ने आगे बताया, ‘रेंडियो स्टेशन पर जब भी कोई एक्टर फिल्म के प्रमोशन के लिए आता था, तो वहां एक तरह की परंपरा थी। टीम के लोग उस एक्टर के समय पर डांस करते थे। मैं उस समय इंटरन थी, इसलिए मुझे भी डांस करने के लिए कहा गया। मेरे लिए यह मौका खास था, क्योंकि मैं

बचपन से ही ऋतिक रोशन की बड़ी फैन रही हूँ। मैं डांस करने के लिए तैयार हो गई और ऋतिक के साथ परफॉर्म भी किया। उस दौरान ऋतिक की टीम में सुदीप भी मौजूद थे।’ प्राजवता ने बताया, ‘डांस के बाद सुदीप ने मेरा ऋतिक के साथ एक छोटा-सा वीडियो भी शूट किया। उस समय मुझे लगा भी नहीं था कि इस वीडियो से आगे कुछ होने वाला है। लेकिन इसी वीडियो ने मेरे लिए एक नया रास्ता खोल दिया। सुदीप मेरे पास आए और पूछा कि क्या मैं इस तरह के वीडियो बनाती हूँ। मैंने साफ कहा कि नहीं, मैं ऐसा कुछ नहीं करती।’ उन्होंने कहा, ‘इसके बाद सुदीप ने मुझे अपना कार्ड दिया और सलाह दी कि मुझे यूट्यूब के लिए कंटेंट बनाना चाहिए। उस समय मुझे यूट्यूब के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। मुझे यह तक नहीं पता था कि यूट्यूब पर कंटेंट बनाकर करियर कैसे बनाया जाता है। मेरे लिए उस वक़्त सबसे बड़ा लक्ष्य रेंडियो जॉकी बनना था।’ प्राजवता ने अपने उस दौर की आर्थिक स्थिति को भी याद किया। उन्होंने कहा, ‘मैं इंटरन थी और बहुत ज्यादा पैसे नहीं कमा रही थी। उस समय मुझे स्काइप का इस्तेमाल करने में भी पैसे खर्च करने पड़ते थे। ऐसे में यूट्यूब पर काम करना मुझे कोई करियर के लिए अच्छा ऑप्शन नहीं लगा। मैं सोचती थी कि अगर मुझे रेंडियो जॉकी की नौकरी नहीं मिली तो मैं प्रोड्यूसर की नौकरी कर लूंगी।’ उन्होंने कहा, ‘लेकिन समय के साथ यूट्यूब का यह आइडिया मेरे दिमाग में बैठने लगा। आगे चलकर मैंने ‘मोस्टली सेन’ के नाम से अपना कंटेंट बनाना शुरू किया। मेरे रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े वीडियो लोगों को पसंद आने लगे और देखते ही देखते यहाँ डिजिटल दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम बन गया। जिस प्लेटफॉर्म को लेकर शुरुआत में मुझे खुद ज्यादा जानकारी नहीं थी, वही आगे चलकर मेरे करियर का बड़ा हिस्सा बन गया।’ कंटेंट क्रिएशन के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और ‘मिसमिछ’ से दर्शकों के बीच पहचान बनाई। इसके अलावा वह यूट्यूब के ‘क्रिएटर्स फॉर चेंज’ प्रोग्राम का हिस्सा बनीं और मिशेल ओबामा के साथ भी काम किया।



‘उड़ता तीर’ और ‘ये प्रेम मोल लिया’ में दिखेगा आयुष्मान खुराना का बिल्कुल अलग अंदाज

आयुष्मान खुराना बड़े पर्दे पर लगातार दो फिल्मों के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं और दोनों फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। सबसे पहले ‘उड़ता तीर’ रिलीज होगी, जो सारा अली खान के साथ एक तेज-रफ्तार स्पाई कॉमेडी है और इसका निर्देशन आकाश कोशिक ने किया है। इसके बाद सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी और शरवरी अभिनीत म्यूजिकल फैमिली ड्रामा ‘ये प्रेम मोल लिया’ रिलीज होगी। दो फिल्में, दो अलग-अलग दुनिया और अभिनय की दो बिल्कुल अलग चुनौतियां आयुष्मान के करियर के उस पहलू को रेखांकित करती हैं, जो शुरुआत से ही उनकी पहचान का हिस्सा रहा है—वह खुद को किसी एक जॉनर तक सीमित किए बिना लगातार अलग-अलग जॉनर के बीच सहजता से अपनी जगह बनाते रहे हैं। आकाश कोशिक के निर्देशन में बनी और धर्मा प्रोडक्शंस तथा सिखिया एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित उड़ता तीर जासूसी की दुनिया की पुच्छभूमि पर आधारित है। फिल्म में हाई-स्टेक्स पेट्रियोरिक एक्शन और कॉमिक अराजकता का मेल देखने को मिलेगा। आयुष्मान फिल्म की एक अप्रत्याशित कहानी के केंद्र में हैं, जहां किसी को भी पूरी तरह पता नहीं है कि आखिर हो क्या रहा है। इसके बाद आयुष्मान ये प्रेम मोल लिया के साथ एक बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया में प्रवेश करेंगे। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी यह फिल्म शरवरी के साथ उनकी नई जोड़ी को पेश करती है और निर्देशक की सिग्नेचर इमोशनल और फैमिली-केंद्रित कहानी कहने की शैली को एक मजबूत म्यूजिकल कोर के साथ जोड़ती है। हिमेश रेशमिया के संगीत से सजी यह

फिल्म आयुष्मान को हिंदी सिनेमा की भावनात्मक और संगीतप्रधान दुनिया में वापस ले जाती है, जहां कहानी प्यार, परिवार और रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। आयुष्मान खुराना ने कहा, अपनी पहली फिल्म से ही मैं दर्शकों को सरप्राइज करना चाहता था और, उससे भी ज्यादा, एक अभिनेता के तौर पर खुद को सरप्राइज करना चाहता था। मैंने कभी खुद को किसी एक इमेज या जॉनर तक सीमित रखने में विश्वास नहीं किया, चाहे वह सोशल कॉमेडी हो, कोई अनकही-सी प्रेम कहानी, इंटेंस ड्रामा, देशभक्ति पर आधारित कॉमेडी या म्यूजिकल फैमिली सांगा। उन्होंने कहा, मेरे लिए हर फिल्म एक नए इमोशन को एक्सप्लोर करने और अपने व्यक्तित्व के एक अलग पहलू को सामने लाने का मौका होती है। यह बात मेरे लिए बेहद खास है कि इन लगातार बदलावों के बावजूद दर्शकों ने मुझे स्वीकार किया है। मैं आगे भी रिस्क लेना चाहता हूँ, ऐसी कहानियां चुनना चाहता हूँ जो मुझे चुनौती दें और ऐसे परफॉर्मस देना चाहता हूँ जो दर्शकों को हर बार अनुमान लगाने पर मजबूर करें।

